राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.)
द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित

लीला

संस्कृत केसर

सहायक-पुस्तिका
1-5

1 वन्दना

अभ्यासः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

2 संस्कृत-वर्णमाला

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

उत्तरम्– (क) स्वरा: त्रयोदश भवन्ति; तद्यथा अ, इ, ऐ, ऋ आदय:।

(ख) व्यञ्जनानि त्रयस्त्रिंशत् भवन्ति; तद्यथा क, च, ट, त, श, ह आदय:।

(ग) (ं), (:)।

2. निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण कीजिए और लिखिए—

उत्तरम्– छात्र स्वयं करें।

3. निम्नांकित चित्रों के नाम लिखिए—

उत्तरम्–

इन्दुः

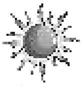
अंशुमान्

जतुका

ज्ञः

3 मात्राणां प्रयोगः

अभ्यासः

- **नीचे लिखे शब्दों में लगी मात्राओं को रिक्त स्थानों में लिखिए—**

उत्तरम्–

धरा	ध	+	र	+	ा					
कपि:	क	+	ि	+	प:					
दीप:	द	+	ी	+	प:					
मयूर:	म	+	य	+	ू	+	र:			
धेनु:	ध	+	े	+	न	+	ु	+	:	
मोदकम्	म	+	ो	+	द	+	क	+	म्	
नौका	न	+	ौ	+	क	+	ा			
मृग:	म	+	ृ	+	ग:					
हंस:	ह	+	ं	+	स:					
अंस:	अं	+	स:							

4 वचनम्

अभ्यासः

1. निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी में अर्थ लिखिए—

उत्तरम्–

उष्ट्र:	**एक ऊँट**	वानरौ	**दो बंदर**
जना:	**अनेक लोग**	मूषक:	**एक चूहा**
अश्वा:	**अनेक घोड़े**	मत्स्यौ	**दो मछलियाँ**

2. निम्नलिखित शब्दों को उचित स्थान पर लिखिए—

उत्तरम्–

एकवचनम्	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
उष्ट्र:	मत्स्यौ	जना:
सिंह:	वृक्षौ	गजा:
अश्व:, मूषक:	वानरौ	

5 संज्ञा लिङ्गश्च

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

उत्तरम्– (क) लिङ्ग तीन प्रकार के होते हैं।

(ख) जिन शब्दों से पुरुष जाति का बोध होता है, उन्हें **पुल्लिङ्ग** कहते हैं। जैसे—हंस:, सिंह:, बाल:, देव: आदि।

(ग) किसी व्यक्ति, वस्तु तथा स्थान के नाम को **संज्ञा** कहते हैं। जैसे—बालक:, सिंह:, चटका:, पुस्तकम्, चित्रम् आदि।

2. निम्नांकित चित्रों को पहचानिए और इनके हिन्दी तथा अंग्रेजी में नाम लिखिए–

उत्तरम्–

	स्त्री	Woman
	पत्ता	Leaf
	खरगोश	Hare
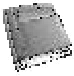	पुस्तक	Book
	मोर	Peacock
	चिकित्सक	Doctor

6 धातुः क्रिया च

अभ्यासः

1. निम्नलिखित वाक्यों को संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) लिखति।   (घ) धावति।

(ख) गच्छन्ति। (ङ) लिखतः।
(ग) पठन्ति। (च) हसतः।

2. निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी में अर्थ लिखिए—

उत्तरम्– पठतः **दो पढ़ती हैं** खादन्ति **सब खाती हैं**
गच्छन्ति **सब जाते हैं** धावति **एक दौड़ता है**
हसति **एक हँसता है** लिखतः **दो लिखती हैं**

3. सुमेल कीजिए –

उत्तरम्– पठतः **दो पढ़ती हैं**
लिखति **लिखती है**
खादन्ति **सब खाती हैं**

7 देवस्य गृहम्

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) देवस्य गृहं स्वच्छं सज्जितं च अस्ति।
(ख) मित्राणि छायायाम् उपविशन्ति।
(ग) लताः पुष्पाणि यच्छन्ति, वृक्षाः फलानि यच्छन्ति।

2. रिक्त स्थानों को भरिए—

उत्तरम् (क) सुबोधः कुटुम्बेन **सह** अत्र निवसति।
(ख) सा **देवेन** सह नित्यं **पाठशालां** गच्छति।
(ग) देवः तस्य छायायां **नित्यम् उपविशति**।

8 उपदेशः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर लिखिए—

उत्तरम्– (क) शिक्षकः छात्रान् उपदिशति।
(ख) जलम् आतपात् वर्षति।
(ग) सज्जनाः परार्थं जीवन्ति।
(घ) ये अन्येषां रक्षार्थं स्व प्राणान् त्यजन्ति ते एव इतिहासे प्रसिद्धाः भवन्ति।

2. रिक्त स्थानों को भरिए—

उत्तरम्– (क) वृक्षेभ्यः **फलानि** पतन्ति। (ख) **लताभ्यः** कुसुमानि पतन्ति।
(ग) **सूर्यात्** आतपः भवति। (घ) **आतपात्** जलं वर्षति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) शिक्षक छात्र को उपदेश देता है।
(ख) सूर्य से गर्मी होती है।
(ग) अन्न से जीव जीते हैं।

1 वन्दना

अभ्यासः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

2 वचनम्

पुंल्लिङ्गम्
अभ्यासः

• **निम्नांकित चित्रों को देखिए और वाक्यों को पूरा कीजिए—**

उत्तरम्– (क) **शशकः** खादति। (ख) इमौ **बालकौ स्तः**।
(ग) **इमे** जनाः सन्ति। (घ) इमौ **भल्लूकौ** स्तः।
(ङ) इमे **मयूराः** सन्ति। (च) इमौ **कुक्कुरौ** स्तः।
(छ) **इमे अश्वाः** सन्ति। (ज) अयं **सिंहः** अस्ति।

स्त्रीलिङ्गम्
अभ्यासः

• **निम्नांकित चित्रों को देखिए और वाक्य पूरे कीजिए—**

उत्तरम्– (क) एषा **अजा** अस्ति। (ख) एते **बालिके** स्तः।
(ग) एते **कोकिले** स्तः। (घ) **एताः नौकाः** सन्ति।
(ङ) एताः चटकाः **सन्ति**। (च) एते **शारदे** स्तः।
(छ) एताः **महिलाः** सन्ति।

नपुंसकलिङ्गम्
अभ्यासः

• **निम्नांकित चित्रों को देखिए और वाक्य पूरे कीजिए—**

उत्तरम्– (क) एतत् **फलम्** अस्ति। (ख) एते **वायुयाने** स्तः।
(ग) एतानि **पुष्पाणि** सन्ति। (घ) एतत् **पुस्तकम्** अस्ति।
(ङ) एतानि **पत्राणि** सन्ति।

3 पुरुष-ज्ञानम्

अभ्यासः

1. चित्रों को देखिए और वाक्य लिखिए—

उत्तरम्– (क) तौ नमतः। (ख) यूयं पचथ।
(ग) त्वं नृत्यसि। (घ) अहं गायामि।

2. **शब्दार्थों को मिलाइए—**

उत्तरम्–

शब्दः	**अर्थः**
पठति	**पढ़ता है**
आवाम्	**हम दोनों**
शृणुमः	**सुनते हैं**
बालौ	**दो लड़के**

3. **वाक्य पूरे कीजिए—**

उत्तरम्– (क) **सः** पठति। (ख) शशका: **खादन्ति**।

(ग) युवां मधुरं **कूजथः**। (घ) **आवाम्** उच्चै: **गर्जावः**।

4 *धातु (क्रिया)—परिचयः*

अभ्यासः

1. **चित्रों को देखकर धातु लिखिए—**

उत्तरम्–

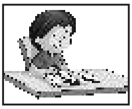

लिख्

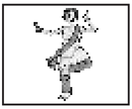

नृत्

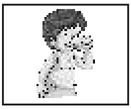

पा, पिब्

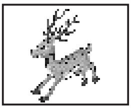

धाव्

2. **नीचे लिखी क्रियाओं और धातुओं को आपस में मिलाइए—**

उत्तरम्–

क्रिया	**धातुः**
लिखना	**लिख्**
गिरना	**पत्**
देखना	**दृश्**
दौड़ना	**धाव्**
बोलना	**वद्**
खेलना	**क्रीड्**
खाना	**खाद्**

5 *आदर्शः छात्रः*

अभ्यासः

1. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

उत्तरम्– (क) स: नित्यं **मातुः, पितुः गुरोः** च आज्ञां पालयति।

(ख) स: प्रतिदिनं **विद्यालयं** गच्छति।

(ग) स: पाठं ध्यानेन **पठति**।

(घ) स: **पूर्णावकाशे** गृहम् आगच्छति।

2. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) विमल: प्रात: उत्थाय भ्रमणाय गच्छति।

(ख) सः स्वच्छानि वस्त्राणि धारयति।
(ग) सः विद्यालये अनुशासनस्य पालनं करोति।

6 प्रभातवेला

अभ्यासः

1. **एक शब्द में उत्तर दीजिए—**

उत्तरम्– (क) प्रभातवेला (ख) अन्धकारः (ग) चटकाः
(घ) कलरवम् (ङ) सूर्यात् (च) रविः

2. **रिक्त स्थानों को भरिए—**

उत्तरम्– (क) जनाः **रवये** अर्घ्यं यच्छन्ति।
(ख) **रविणा एव** प्राणिषु चैतन्यम् आगच्छति।
(ग) धन्यः एषः **रविः**।
(घ) **असतो** मा सद्गमय।
(ङ) तमसो मा ज्योतिः **गमय**।

3. **रंगीन शब्दों को आधार मानकर प्रश्न बनाइए—**

उत्तरम्– (क) **के** इतस्ततः भ्रमन्ति?
(ख) जनाः **कं** नमन्ति?
(ग) सूर्योदये **काः** कूजन्ति?
(घ) प्राणिषु **किम्** आगच्छति?

4. **उदाहरणानुसार रिक्त स्थान भरिए—**

उत्तरम्–

शब्दः	**विभक्तिः**	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
भूपतिः	प्रथमा	भूपतिः	भूपती	भूपतयः
ऋषिः	द्वितीया	**ऋषिम्**	ऋषी	**ऋषीन्**
गिरिः	तृतीया	**गिरिणा**	गिरिभ्याम्	**गिरिभिः**
अग्निः	चतुर्थी	अग्नये	**अग्निभ्याम्**	**अग्निभ्यः**
हरिः	पञ्चमी	हरेः	**हरिभ्याम्**	हरिभ्यः
अतिथिः	षष्ठी	**अतिथेः**	अतिथ्योः	**अतिथिनाम्**
कपिः	सप्तमी	**कपौ**	कप्योः	**कपीनाम्**

7 श्रीकृष्णः

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—**

उत्तरम्– (क) श्रीकृष्णः भाद्रपदमासस्य कृष्णपक्षस्य अष्टम्यां तिथौ अजायत्।
(ख) वसुदेवः कृष्णस्य पिता आसीत्।

(ग) कृष्णस्य मातु: नाम देवकी आसीत्।

(घ) सन्दीपन मुनि: कृष्णस्य गुरु: आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) कृष्णाय **नमः**।

(ख) **सन्दीपन** मुनि: कृष्णस्य **गुरुः** आसीत्।

(ग) नन्द: **गोकुलग्रामे** अवसत्।

(घ) कंस: कृष्णस्य **मातुलः** आसीत्।

3. श्रीकृष्ण पर चार वाक्य संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) श्रीकृष्ण: देवकीवसुदेवयो: पुत्र: आसीत्।

(ख) अयम् अतिगुणवान्, कुशल राजनीतिज्ञ:, महायोगी कर्मयोगी च आसीत्।

(ग) किशोरावस्थायाम् अयं स्व अत्याचारिणं मातुलं कंसम् अमारयत्।

(घ) महाभारतयुद्धे अयम् अर्जुनाय गीताया: महान् उपदेशम् अददात्।

8 मम विद्यालयः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) विद्यालय: अतीव शोभन: अस्ति।

(ख) शिक्षका: पूज्या:।

(ग) पुस्तकानाम् गृहम् अस्ति।

(घ) क्रीडाक्षेत्रे बालका: क्रीडन्ति बालिका: च धावन्ति।

(ङ) सीता क्रीडति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अयं मम **विद्यालयः** अस्ति।

(ख) अयं विद्यालयस्य **प्रधानाध्यापकः**।

(ग) अहम् अपि **अत्र पठामि**।

(घ) सा **क्रीडति**।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अयं मम विद्यालय: अस्ति।

(ख) अयम् अस्माकं विद्यालयस्य प्रधानध्यापक: अस्ति।

(ग) अहमपि अत्र पठामि।

(घ) अत्र बहूनि पुस्तकानि सन्ति।

(ङ) छात्रा: अत्र पठनाय आगच्छन्ति।

(च) इदं विद्यालयस्य क्रीडाक्षेत्रम् अस्ति।

4. स्तम्भों को मिलाइए—

उत्तरम्– **'क'** **'ख'**

बालिका:	**धावन्ति**
त्वं	**लिखसि**
सा	**क्रीडति**
स:	**लिखति**
बालका:	**आगच्छन्ति**

9 बकः नकुलश्च

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) वटवृक्षस्य उपरि बहव: बका: निवसन्ति स्म।

(ख) नकुल: बकान् भक्षितवान्।

(ग) सर्पस्य नाशस्य उपाय: कुलीरक: उक्तवान्।

(घ) कुलीरक: उपायरूपेण कथितवान् यत् मीनस्य मांसखण्डानि नकुलस्य बिलद्वारात् सर्पकोटरं यावत् स्थापयत, येन नकुल: तेन मार्गेण गत्वा तं दुष्टसर्पं विनाशयिष्यति।

(ङ) यदा वयं कमपि उपायं कुर्याम तु तस्य अपायस्य विषयेऽपि चिन्तयेम अन्यथा बकसदृशा एव स्थिति: भविष्यति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकस्मिन् **वने** एक: विशाल: **वटवृक्ष:** आसीत्।

(ख) एकदा सर्प: **बकशावकान्** भक्षितवान्।

(ग) अयं बक: अपि **सहजशत्रु:** अस्ति।

(घ) बका: **तदनुसारमेव** कार्यं कृतवन्त:।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए—

उत्तरम्–

कोटरम्	**खोखल**	उपाय:	**उपाय, तरकीब**
ईदृशम्	**ऐसा**	मार्ग:	**रास्ता**
वनम्	**जंगल**	नकुल:	**नेवला**
कुलीरक:	**केकड़ा**	मीन:	**मछली**
प्राज्ञ:	**बुद्धिमान**	तत्रैव	**वहीं**

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) इदं **वनम्** अति सघनम् अस्ति। (ख) एष: **शिशु:** किमर्थं रुदति?

(ग) एष: **मार्ग:** कुत्र गच्छति? (घ) नकुल: सर्पस्य **शत्रु:** भवति।

10 महापुरुषाः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) सिक्खधर्मस्य प्रथम: गुरु: नानकदेव: आसीत्।

(ख) दयानन्दस्य मूलनाम मूलशंकर: आसीत्।

(ग) आर्यसमाजस्य संस्थापक: महर्षि: दयानन्द: आसीत्।

(घ) मालवीयस्य पूर्णनाम आसीत्–महामना मदनमोहन मालवीय:।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) नानक: **सिक्खधर्मस्य** प्रथम: गुरु: आसीत्।

(ख) दयानन्दस्य मूलनाम **मूलशंकर:** आसीत्।

(ग) अयं महान् **देशभक्त:** आसीत्।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए—

उत्तरम्–

महान्	=	**बहुत बड़ा**	संस्थापक:	=	**स्थापना करने वाला**
सन्देश:	=	**समाचार**	समाना:	=	**बराबर**

11 पत्रवाहकः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) पत्रवाहक: पत्रालयं गच्छति।

(ख) जनेभ्य: पत्राणि पत्रवाहक: वितरति।

(ग) आम्! पत्रवाहक: प्रतिदिनं पत्राणि आनयति।

2. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिए—

उत्तरम्– (क) त्वं ग्रामं गच्छसि। (ख) अहं प्रतिदिनं पठामि।

(ग) अयं कुत्र गच्छति?

12 व्याकरणम्

अभ्यासः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

संस्कृत केसर-3

1 वन्दना

अभ्यासः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

2 वसन्तऋतुः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) भारतदेशे के क्रमानुसारम् षट् ऋतवः आगच्छन्ति।

(ख) वसन्ते सौरभस्य प्रसारः भवति।

(ग) ऋतुराजः, कुमारः कुसुमायुधः च वसन्तस्य पर्यायवाचकाः शब्दाः सन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तरम्– (क) तेषु वसन्तः **ऋतुराजः** अस्ति।

(ख) **वसन्तस्य स्वागतं** सर्वे जनाः अति आनन्देन कुर्वन्ति।

(ग) वसन्ते **आकाशः** अति निर्मलः भवति।

(घ) वृक्षेषु **नवपल्लवाः** सर्वेषां मनांसि आकर्षयन्ति।

3. रेखांकित पदों के कारक-नाम लिखिए–

उत्तरम्– (क) कर्म कारक (ख) अधिकरण कारक

(ग) कर्म कारक (घ) अधिकरण कारक

4. वर्ण-विच्छेद कीजिए–

उत्तरम्– (क) वाटिका = **व्+ा+ि+ट+क+ा**

(ख) पुष्पाणि = **प्+ु+ष्+प+अ+ि+ण**

(ग) लता = **ल्+अ+त+आ**

(घ) वातावरणे = **व्+ा+त्+ा+व्+अ+र्+अ+ण्+े**

3 मम गृहम्

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) गृहे एकं रमणीयम् उद्यानम् अस्ति।

(ख) जनकः उद्याने शाकं फलं च उत्पादयति।

(ग) खगाः वृक्षाणाम् उपरिं कूजन्ति।

(घ) पर्यावरणस्य सुरक्षा वृक्षैः भवति।

(ङ) वयं स्वास्थ्यप्रदं पुष्टिप्रदं च भोजनं कुर्मः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) गृहे एकं **रमणीयम्** उद्यानम् अस्ति।

(ख) स: विविधानि **पुष्पाणि** अपि **उत्पादयति**।

(ग) प्रात:काले मन्द: मन्द: **पवन:** प्रवहति।

(घ) खगा: वृक्षाणाम् **उपरि** कूजन्ति।

(ङ) वृक्षै: **पर्यावरणस्य** सुरक्षा भवति।

3. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) खग: = एष: **खग:** आम्रं खादति।

(ख) पर्यावरण: = अत्रत्य **पर्यावरण:** अति शोभन: अस्ति।

(ग) उत्पादयति = मम जनक: वाटिकायां पुष्पाणि, फलानि शाकानि च **उत्पादयति**।

(घ) रमणीय: = अति **रमणीय:** पुष्पितोऽयं वृक्ष:।

(ङ) परिवार: = मम **परिवार:** संयुक्त परिवार: अस्ति।

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) मम एकं रमणीयं गृहम् अस्ति।

(ख) मम जनक: पादपान् सिञ्चति।

(ग) उद्याने पुष्पाणि विकसन्ति।

(घ) धेनु: मधुरं दुग्धं ददाति।

(ङ) अत्र वयं सुखपूर्वकं वसाम:।

5. विपरीतार्थक (विलोम) शब्दों को मिलाइए–

उत्तरम्–

मम	**तव**
सुन्दरम्	**कुरूपम्**
पुष्पम्	**कण्टकम्**
मन्द:	**तीव्र:**
मधुरम्	**कटु:**

4 *भारतवर्ष:*

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) आर्यावर्त:, जम्बूद्वीप: हिन्दुस्तानं च अस्माकं देशस्य नामानि सन्ति।

(ख) हिमालयात् अनेका: नद्य: निर्गच्छन्ति।

(ग) भारतस्य पूर्वदिशायां बंगदेश: अस्ति।

(घ) भारतस्य रक्षां पर्वतराज: हिमालय: करोति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) मम देशस्य नाम **भारतवर्ष:** अस्ति।

(ख) जना: राज्ञ: **भरतस्य** नाम्ना एव अस्माकं देशं **भारतवर्ष:** कथयन्ति।
(ग) हिमालयात् अनेका: **नद्य:** निर्गच्छन्ति।
(घ) अस्माकं देशे अनेकानि **तीर्थस्थानानि** सन्ति।

5 सुभाषितानि

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) काकवत् चेष्टा, बकवत् ध्यानम्, श्वानवत् निद्रा, अल्पाहारी गृहत्यागी च इत्येतानि पञ्च लक्षणानि सन्ति विद्यार्थिन:।
(ख) विद्यार्थिन: सुखं नास्ति।
(ग) प्रियवाक्यप्रदानेन सर्वे जन्तव: तुष्यन्ति।
(घ) प्रियं वाक्यं वक्तव्यम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अल्पाहारी **गृहत्यागी विद्यार्थी** लक्षणम्।
(ख) सुखार्थी वा **त्यजेत्** सुखम्।
(ग) नीरक्षीरविवेके **हंसोहंस: बको** बक:।
(घ) प्रियवाक्यप्रदानेन **सर्वे तुष्यन्ति** जन्तव:।

3. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए—

उत्तरम्–

दरिद्रता	=	**कंजूसी**	श्वान:	=	**कुत्ता**
श्वेत:	=	**सफेद**	त्यजेत्	=	**छोड़ देनी चाहिए**
चेष्टा	=	**कोशिश**	सुखार्थिन:	=	**सुख चाहने वाले**
बक:	=	**बगुला**	भेद:	=	**अंतर**

4. सही जोड़े बनाइए–

उत्तरम्–

काक:	**चेष्टा**
हंस:	**श्वेत:**
श्वान:	**निद्रा**
बक:	**ध्यानम्**

6 अस्माकं सहायका: वयं च

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) अध्यापक: छात्रान् पाठयित्वा राष्ट्रस्य निर्माणं करोति।
(ख) रोगिणां जनानां चिकित्साकरणं चिकित्सकस्य कार्यम् अस्ति।
(ग) आरक्षकस्य सहायतया वयं भयमुक्ता: भवाम:।
(घ) वयम् अन्नादिकं कृषकस्य सहाय्येन प्राप्नुम:।

(ङ) वस्त्राणां सीवने सौचिक: अस्माकं सहायक: अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अध्यापक: **श्यामपट्टे** लिखति।

(ख) एष: **नगरे** ग्रामे वा **शान्तिं** स्थापयति।

(ग) कृषक: **हलेन क्षेत्राणि** कर्षति।

(घ) एतानि धारयित्वा वयं **प्रसन्ना:** भवाम:।

(ङ) स: दीपकान **घटान् च** रचयति।

3. वर्तनी संशोधयत—

उत्तरम्–

श्यामपट्टौ	=	**श्यामपट्टे**	नीरमाणम्	=	**निर्माणम्**
चीकित्साम्	=	**चिकित्साम्**	शान्तीम्	=	**शान्तिम्**
किषक:	=	**कृषक:**	बिजानी	=	**बीजानि**

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) अध्यापयति = अध्यापक: अस्मान् **अध्यापयति**।

(ख) दत्वा = एष: रुग्णान् औषधं **दत्वा** तान् स्वस्थं करोति।

(ग) स्थापयति = एष: नगरे ग्रामे वा शान्तिं **स्थापयति**।

(घ) वपति = कृषक: क्षेत्रे बीजानि **वपति**।

7 *दिनचर्या*

अभ्यासः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) मधुर: प्रात: शीघ्रम् उत्तिष्ठति।

(ख) मधुर: अल्पाहारं कृत्वा अध्ययनं करोति।

(ग) मधुर: सायङ्काले कन्दुकेन क्रीडति।

2. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग कर संस्कृत वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) दिनचर्या = मोहित! तव **दिनचर्या** कीदृशी अस्ति?

(ख) गृहम् = अहं विद्यालयात् **गृहं** मध्याह्नकाले आगच्छामि।

(ग) प्रात: = अहं प्रतिदिनं **प्रात:** शीघ्रम् उत्तिष्ठामि।

(घ) पुस्तकस्य = अस्य **पुस्तकस्य** चित्राणि अति शोभनानि सन्ति।

3. चित्रों को देखिए और इन पर वाक्य बनाइए–

उत्तरम्–

बालक: धावति।

बालिका शिवपूजां करोति।

बालक: कन्दुकेन क्रीडति।

बालक: मातरं पितरं च नमति।

8 मूर्खः वानरः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) नगरे एकः राजा आसीत्।
(ख) पशवः राज्ञः सेवाम् अकुर्वन्।
(ग) क्रुद्धः वानरः मक्षिकां हन्तुं खड्गेन प्रहारम् अकरोत्।
(घ) खड्गप्रहारेण राज्ञः नासिका छिन्ना अभवत्।
(ङ) मूर्खजनैः सह मित्रता न कार्या।

2. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) बंदर, हाथी, खरगोश, हिरन; सभी उसकी सेवा करते थे।
(ख) राजा हमेशा अपनी तलवार अपने पास ही रखता था।
(ग) एक बार एक मक्खी राजा की नाक पर बैठ गई।
(घ) बंदर ने उसे मारने के लिए तलवार से प्रहार किया।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) राज्ञः प्रासादे सर्वे पशवः मित्रतापूर्वकं निवसन्ति स्म।
(ख) तेषु राजानं वानरः अति प्रियः आसीत्।
(ग) वानरः ताम् मक्षिकां पुनः पुनः अपसारयति स्म।
(घ) वानरः राज्ञः नासिकायाः उपरि तीव्रं प्रहारम् अकरोत्।

4. अस् धातु के लङ् लकार के रूप लिखिए—

उत्तरम्– अस् धातुः (लङ् लकारः)

पुरुषः	**एकवचनम्**	**द्विवचनम्**	**बहुवचनम्**
प्रथम पुरुषः	**आसीत्**	**आस्ताम्**	**आसन्**
मध्यम पुरुषः	**आसीः**	**आस्तम्**	**आस्त**
उत्तम पुरुषः	**आसम्**	**आस्व**	**आस्म**

9 वीरः भरतः

अभ्यासः

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकं निर्जनं **वनम्** अस्ति।
(ख) सिंहस्य **शावकः** तस्य क्रीडनकम् अस्ति।
(ग) मुञ्च त्वं सिंहस्य **शावकम्**।
(घ) निर्भयः **बालकः** हसति।
(ङ) दुष्यन्त–शकुन्तलायाः च **पुत्रः** भरतः।

2. सही कथन के सामने (✓) का चिह्न और गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए—

उत्तरम्– (क) (✗), (ख) (✗), (ग) (✓), (घ) (✗), (ङ) (✓)।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्य बालकस्य मनसि भय: नास्ति।

(ख) एषा सिंही त्वां मारयिष्यति।

(ग) मुखं जृम्भस्व रे सिंहशावक! अहं तव दन्तान् गणयिष्ये।

(घ) अयं वीर: बालक: भरत: अस्ति।

4. शब्दों के ठीक जोड़े मिलाइए—

उत्तरम्– तेजस्वी	**बालक:**
निर्जनं	**वनम्**
सिंहस्य	**शावक:**
महाप्रतापी	**राजा**
दन्तान्	**गणयिष्ये**

10 लुब्ध: विप्र:

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) व्याघ्र: कस्मिंश्चिद् स्थानात् एकं सुवर्णकङ्कणम् अलभत्।

(ख) विप्र: लुब्ध: आसीत्।

(ग) लोभस्य परिणाम: विनाशकारक: भवति।

(घ) अस्माभि: कदापि लोभ: न करणीय:।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) इत्थं स: स्व **बुभुक्षां** दूरं करोति स्म।

(ख) एकदा एक: **निर्धन:** विप्र: कुत्रात् तत्र **आगच्छति**।

(ग) अहं भवते इदं **कङ्कणं** दातुम् इच्छामि।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) वृद्ध: व्याघ्र: कङ्कणं नीत्वा नद्या: तटे वसति स्म।

(ख) स: लोभं दत्वा सर्वान् स्वसमीपम् आह्वयति स्म।

(ग) अहं बहु समयेन भवत: प्रतीक्षायाम् उपविष्ट: आसम्।

(घ) लुब्ध: विप्र: दुष्टस्य सिंहस्य वार्तायाम् आगत:।

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) दुष्ट शेर पथिकों को कंगन दिखाता है।

(ख) मैं आपको यह कंगन देना चाहता हूँ।

(ग) अन्यथा शुभ मुहूर्त का समय समाप्त हो जाएगा।

(घ) लालच ही विनाश का कारण है।

5. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) विप्र: = स: **विप्र:** लुब्ध: आसीत्।

(ख) कङ्कणम् = तत् **कङ्कणं** स्वर्णनिर्मितम् आसीत्।

(ग) लोभ: = कदापि **लोभ:** न करणीय:।

(घ) व्याघ्र: = **व्याघ्र:** स्वभावेन हिंसक: भवति।

6. शब्दों का सही मेल मिलाइए—

उत्तरम्– समीपे — **पार्श्वे**

भक्षयति — **खादति**

इत्थम् — **एवम्**

विप्र: — **ब्राह्मणः**

11 सिद्धार्थः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) उपवने सिद्धार्थ: भ्रमणाय अगच्छत्।

(ख) हंस: शरेण आहत: आसीत्।

(ग) देवदत्तसिद्धार्थयो: मध्ये हंसस्योपरि स्वाधिकारार्थं विवाद: अभवत्।

(घ) हंसस्य रक्षक: सिद्धार्थ: आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) कोशलदेशे **सिद्धार्थः** नाम्न: एक: **बालकः** आसीत्।

(ख) सिद्धार्थस्य हृदय: **दयया** पूर्ण: अभवत्।

(ग) एवं तयो: बालकयो: **विवादः** अभवत्।

(घ) अतएव अयं **हंसः** सिद्धार्थस्य अस्ति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अचानक एक हंस आकाश से आकर वहाँ गिरा।

(ख) वह हंस बाण से घायल था।

(ग) वे दोनों बालक न्यायाधीश के पास गए।

(घ) रक्षक भक्षक से श्रेष्ठ होता है।

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) सिद्धार्थ: उद्याने भ्रमति स्म।

(ख) एक: हंस: आकाशे उत्पतति स्म।

(ग) देवदत्त: शरेण हंसम् अमारयत्।

(घ) सिद्धार्थ: आहतस्य हंसस्य सेवामकरोत्।

5. शब्दों को उनके अर्थों से मिलाइए—

उत्तरम्–

शब्दः	**अर्थः**
एकदा	**एक बार**
रमणीय:	**सुन्दर**
आगत्य	**आकर**
स्व	**अपना**

12 कृषकाः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्- (क) कृषका: बलिवर्दौ योजयित्वा क्षेत्रं कर्षन्ति विपुलं च अन्नम् उत्पादयन्ति।

(ख) कृषका: बलिवर्दयो: आधुनिकानां यन्त्राणांवा सहाय्येन कृषिकार्यं कुर्वन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्- (क) **बलिवर्दौ** योजयित्वा ते **क्षेत्रं** कर्षन्ति **विपुलम्** अन्नं च उत्पादयन्ति।

(ख) कृषिव्यवस्थायै **ऋणव्यवस्था** अतीव आवश्यकी अस्ति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्- (क) अस्माकं भारतवर्षे अनेके कृषका: वसन्ति।

(ख) अधिकांशा: भारतीया: ग्रामेषु वसन्ति कृषिकार्यं च कुर्वन्ति।

13 महात्मा गान्धिः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) महापुरुषेषु महात्मा गान्धि अग्रगण्य: आसीत्।

(ख) महात्मा गान्धिन: जन्म काठियावाडप्रान्तस्य पोरबन्दरनामके स्थाने अभवत्।

(ग) अस्य मातु: नाम पतुलीदेवी पितु: च नाम कर्मचन्द गान्धि आसीत्।

(घ) सत्य: अहिंसा च गान्धिमहोदयस्य अस्त्रौ आस्ताम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं देशे अनेके **महापुरुषा:** अभवन्।

(ख) मातु: नाम **पुतलीदेवी** आसीत्।

(ग) कदापि **मदिरापानं** न करिष्यामि।

(घ) **आङ्ग्लाधिकारिण:** तं बहुवारं कारागारे अनयन्।

3. निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्–

हमारे	=	**अस्माकम्**	जाते हुए	=	**गच्छन्**
बहुत-से	=	**बहव:**	जड़ से	=	**समूलम्**

14 पुरुषोत्तमः श्रीरामः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) राज्ञ: दशरथस्य ज्येष्ठ: पुत्र: श्रीराम: आसीत्।

(ख) कौशल्या श्रीरामस्य माता आसीत्।

(ग) लक्ष्मणस्य माता सुमित्रा आसीत्।

(घ) रामस्य विवाह: सीतया सह अभवत्।

(ङ) अयोध्याया: नृप: दशरथ: आसीत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) रामस्य माता **कौशल्या** आसीत्।

(ख) तौ राक्षसान् हत्वा **यज्ञम्** अरक्षताम्।

(ग) सीता **लक्ष्मणः** च तेन सह वनम् अगच्छताम्।

(घ) **सुग्रीवस्य** सहायतया राम: रावणस्य वधम् अकरोत्।

(ङ) अद्य अपि '**रामराज्य**' प्रख्यात: अस्ति।

3. कोष्ठगत शब्दों में उपयुक्त विभक्ति का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थान भरिए—

उत्तरम्– (क) मम **ग्रामे** एक: विद्यालय: अस्ति।

(ख) बालक: **विद्यालयात्** आगच्छति।

(ग) राम: सीतया **लक्ष्मणेन** च सह वनम् अगच्छत्।

(घ) **रामस्य** माता कौशल्या आसीत्।

(ङ) तौ **राक्षसान्** हत्वा यज्ञम् अरक्षताम्।

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) राज्ञ: दशरथस्य चत्वार: पुत्र: आसन्।

(ख) विश्वामित्र: राज्ञ: दशरथात् रामलक्ष्मणौ अयाचत्।

(ग) सीताया: पिता जनक: आसीत्।

(घ) जनक: मिथिलाया: राजा आसीत्।

(ङ) रावण: लङ्काया: राजा आसीत्।

5. निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) माता = अर्जुनस्य **माता** कुन्ती आसीत्।

(ख) यज्ञ: = अद्य अस्माकं गृहे **यज्ञः** भविष्यति।

(ग) चत्वार: = मम **चत्वारः** प्रश्ना: सन्ति।

(घ) प्रसन्ना: = श्रीरामस्य शासने सर्वे **प्रसन्नाः** आसन्।

(ङ) हत्वा = श्रीराम: रावणं **हत्वा** विभीषणं लङ्काया: राजा कृतवान्।

15 शब्दरूपाणि

अभ्यासः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

1 प्रार्थना

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तरम्– (क) यः सर्वात्मनः (ख) प्रभुः अस्माकं माता, पिता, बन्धुः, सखा च अस्ति।

(ग) प्रभु! अस्माकं दुर्गुणान् हर्तुम् उक्तम्।

2. श्लोक-पंक्तियों को पूरा कीजिए–

उत्तरम्– (क) यस्मिन् **सर्वे यतः** यः **सर्वे सर्वतश्च** यः।

(ख) **जनकः** त्वं च **अम्बा** त्वं मित्रं **बन्धुः चत्वं** प्रभो।

(ग) **दुर्गुणान्** हर अस्माकं **सद्गुणान्** यच्छ हे प्रभो।

2 सुदामा श्रीकृष्णश्च

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तरम्– (क) विप्रः सुदामा श्रीकृष्णस्य सखा आसीत्।

(ख) श्रीकृष्णः द्वारिकायां राज्यं करोति स्म।

(ग) सुदाम्नः भार्या कृष्णस्य समीपं गन्तुं कथयति सम।

(घ) श्रीकृष्णः प्रेम्णा तन्डुलान् अभक्षयत्।

(ङ) स्व गृहम् आगत्य सुदामा इदं सर्वंकृष्णस्य प्रसादं इतिमत्वा अति प्रसन्नो जातः। कृष्ण तम् प्रचुरं धनम, वैभवं च अयच्छत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तरम्– (क) श्रीकृष्णः साम्प्रतं **द्वारिकायाम्** राज्यं करोति।

(ख) सः भवते **धनम्** दास्यति। (ग) सः तं **कुशलं** अपृच्छत्।

(घ) इदं सर्वं **तस्यैव प्रसादम्** इति मत्वा अति **प्रसन्नो** जातः।

(ङ) **कृष्णात्** सुदाम्ना न किमपि याचितम्।

3. सही वाक्य के सामने (✓) और गलत वाक्य के सामने (✗) का चिह्न लगाइए—

उत्तरम्– (क) (✓) (ख) (✗) (ग) (✓) (घ) (✗) (ङ) (✓)

4. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए–

उत्तरम्– (क) द्वारिकायां = श्रीकृष्णः साम्प्रतं **द्वारिकायां** राज्यं करोति स्म।

(ख) श्रीकृष्णस्य = **श्रीकृष्णस्य** सखा निर्धनः विप्रः सुदामा आसीत्।

(ग) सिंहासने = सः स्व सखां **सिंहासने** विराजयति स्म।

(घ) प्रसादम् = सर्वम् कृष्णस्य **प्रसादम्** मत्वा सः अति प्रसन्नो जातः।

(ङ) वार्ताः = सुदामा कृष्णात् किमपि वार्ताः न अकरोत्।

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तरम्– (क) श्रीकृष्णः द्वारिकायां राज्यं करोति स्म।

(ख) तस्य राज्ये एकः निर्धनः विप्रः वसति स्म।

3 वीरः बालकः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) महारथी अर्जुनः श्रीकृष्णेन सह कार्यवशात् अन्यत्र गतः आसीत्।

(ख) कुरुश्रेष्ठेन दुर्योधनेन चक्रव्यूहः रचितः।

(ग) अभिमन्युः चक्रव्यूहे शिक्षितया शिक्षया सरलतया प्राविशत्।

(घ) एकलः एव सः अनेकैः महारथिभिः सह युध्यमानः रक्तधाराभिः स्नातः कपटेन च गृहीतः वीरगतिं प्राप्नोत्।

(ङ) वीरः बालकः अभिमन्युः धन्यः येन स्वप्राणान् दत्त्वा स्वकुलस्य गौरवं रक्षितम्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) तेन तद् भङ्गाय **पाण्डवाः** आहूताः।

(ख) आज्ञापयतु भवान् मां **चक्रव्यूहस्य** भेदनाय।

(ग) अनेकैः महारथिभिः सह **युध्यमानः** सः **रक्तधाराभिः** स्नातः।

(घ) धन्यः एषः महान् वीरः **अभिमन्युः**।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) कुरुश्रेष्ठ दुर्योधन ने अवसर पाकर चक्रव्यूह रचा।

(ख) युधिष्ठिर आदि पांडव लज्जा को प्राप्त हुए।

(ग) आप मुझे चक्रव्यूह भेदने के लिए आज्ञा दें।

(घ) अभिमन्यु ने अपने कुल के गौरव की रक्षा करने के लिए व्यूह को तोड़ने के लिए प्रस्थान किया।

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अभिमन्युः एकः वीरः बालकः आसीत्।

(ख) दुर्योधनः चक्रव्यूहस्य रचनाम् अकरोत्।

(ग) चक्रव्यूहभेदनाय कौरवाः पाण्डवान् आह्वयन्।

(घ) अभिमन्युः चक्रव्यूहम् अभेदयत्।

5. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

	शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
(क)	रक्षणाय	=	**चतुर्थी**	**एकवचनम्**
(ख)	पाण्डवाः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**
(ग)	भवान्	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
(घ)	सैनिकैः	=	**तृतीया**	**बहुवचनम्**
(ङ)	दुर्योधनेन	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**

4 राष्ट्रीय चिह्नानि

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं राष्ट्रध्वजः त्रिभिः वर्णैः संयुतः अस्ति।

(ख) राष्ट्रध्वजस्य श्वेतपट्टिकायाः मध्ये नीलवर्णीयं चक्रं विराजते।

(ग) अस्माकं राष्ट्रीयगानं कवीन्द्रेण रवीन्द्रनाथटैगोरेण रचितं राष्ट्रीयगीतं च श्री बंकिमचन्द्रचट्टोपाध्यायेन रचितम्।

(घ) अस्माकं राष्ट्रीयपुष्पं कमलम् अस्ति।

(ङ) सर्वेषां हृदि कोमलता निर्मलता च स्यात् इति राष्ट्रीयपुष्पस्य सन्देशः।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं राष्ट्रध्वजः **त्रिभिः** वर्णैः संयुतः अस्ति।

(ख) कमलं **जलस्य** उपरि विकसति।

(ग) मयूरः **हानिकारकान् कीटकान् खादित्वा कृषकस्य** हितं करोति।

(घ) मयूरस्य **नृत्यं** अतीव मनोहारी भवति।

3. निम्नलिखित शब्दों की विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

शब्दः		**विभक्तिः**	**वचनम्**
अस्य	=	**षष्ठी**	**एकवचनम्**
पङ्के	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
त्रिभिः	=	**तृतीया**	**बहुवचनम्**
समृद्धिः	=	**प्रथमा**	**एकवचनम्**
अनया	=	**तृतीया**	**एकवचनम्**

4. निम्नलिखित वाक्यों के लिए प्रश्न बनाकर लिखिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं राष्ट्रध्वजः **कैः** वर्णैः संयुतः अस्ति?

(ख) अस्माकं राष्ट्रीयपुष्पं **कतमम्** अस्ति?

(ग) कमलं **कुत्र** विकसति?

(घ) अस्माकं राष्ट्रीयपशुः **कः** अस्ति?

5 ज्ञानप्रदाः श्लोकाः

अभ्यासः

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) ताराणां भूषणं चन्द्रः **नारीणां भूषणं पतिः**।

(ख) **विद्या मित्रं प्रवासेषु** भार्या मित्रं गृहेषु च।

(ग) विदेशेषु धनं विद्या **व्यसनेषु धनं मतिः**।

(घ) **विषं सभादरिद्रस्य** विषं पुत्रः अपण्डितः।

(ङ) वृथा वृष्टिः समुद्रेषु **वृथा तृप्तस्य भोजनम्**।

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अपण्डित: पुत्र: विषतुल्य: अस्ति।

(ख) परलोके धनं धर्म: अस्ति।

(ग) नारीणां भूषणानि तासां पतय: सन्ति।

(घ) दुग्धपानम् अमृततुल्यमस्ति।

3. पाठ में आए श्लोकों को कण्ठस्थ कीजिए—

उत्तरम्– छात्र स्वयं करें।

6 गणतन्त्र दिवसः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) भारतस्य महान् राष्ट्रीय: उत्सव: गणतन्त्र दिवस: अस्ति।

(ख) 1947 तमे वर्षे ख्रीष्टाब्दे अगस्तमासस्य पञ्चदशे दिनाङ्के भारत देश: स्वतन्त्र: अभवत्।

(ग) नवीन संविधानस्य घोषणा 1950 तमे ख्रीष्टाब्दे जनवरी मासस्य षड्विंशति दिनाङ्के अभवत्।

(घ) लक्षश: जना: भारतद्वारम् (इण्डिया गेट) उभयत: एकत्रिता: भवन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) एष: उत्सव: प्रतिवर्षं **जनवरी** मासस्य **26** तमे दिवसे मन्यते।

(ख) तदा प्रभृति: एव अयं दिवस: **गणतन्त्र** दिवस: कथ्यते।

(ग) तस्य आगते राष्ट्रध्वजस्य **आरोहणं** भवति।

(घ) लक्षश: जना: **भारतद्वारम्** उभयत: एकत्रिता: भवन्ति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) गणतन्त्र दिवस: 26 जनवरी इति मासे मान्यते।

(ख) गणतन्त्र राज्यस्य सर्वोच्च: शासक: राष्ट्रपति: भवति।

(ग) तत्र सेना: प्रजाश्च तस्य अभिनन्दनं कुर्वन्ति।

(घ) गणतन्त्र दिवस: प्रत्येकस्मिन् नगरे सर्वे जना: उत्साहेन मानयन्ति।

4. शब्दों को उनके अर्थ से मिलाइए—

उत्तरम्–

'क'	**'ख'**
उभयत:	**दोनों ओर से**
देहल्याम्	**दिल्ली में**
आरोहणम्	**फहराना**
ख्रीष्टाब्दे	**ईस्वी में**

5. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– पञ्चदशे = मम जन्मदिवस: अगस्त मासस्य **पञ्चदशे** दिनाङ्के भवति।

ख्रीष्टाब्दे = अस्माकं संविधानस्य घोषणा 1950 तमे **ख्रीष्टाब्दे** अभवत्।

लक्षशः = महाकुम्भ पर्वणि हरिद्वारे **लक्षशः** जनाः आगताः।
आरोहणम् = रमेशः स्व गृहद्वारे हनुमतः पताकायाः **आरोहणम्** अकरोत्।

6. **निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) यह उत्सव प्रतिवर्ष जनवरी महीने की 26 ता० के दिन मनाया जाता है।
(ख) तब से लेकर ही यह दिन गणतंत्र दिवस कहलाता है।
(ग) गणतंत्र में राष्ट्रपति सर्वोच्च शासक होता है।
(घ) लोग विविध प्रकार के युद्ध–उपकरण और झाँकियाँ देखते हैं।

7 शरद्-उत्सवः

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—**

उत्तरम्– (क) अस्माकं देशे सूर्यचन्द्रवृक्षादीन् देवरूपेण स्वीकृत्य तेषां पूजनस्य परम्परा अस्ति।
(ख) अस्यां रात्रौ जनाः पायसं पचन्ति।
(ग) शरदोत्सवस्य विषये इयं लोकमान्यता वर्तते यत् अस्यां रात्रौ चन्द्रेण स्वकिरणैः किमपि विशिष्टं प्रसार्यते।
(घ) शैत्यम्, पावनत्वम्, सौन्दर्यम् इत्येते गुणाः सन्ति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

उत्तरम्– (क) अस्माकं देशः **प्रकृति** पूजकः।
(ख) अस्यां रात्रौ चन्द्रः **स्वपूर्णकलाभिः सह** उदयति।
(ग) चन्द्रः **प्रेम्णः आधारः** वर्तते।
(घ) सर्वैः सह **प्रेम्णा** व्यवहर्तव्यः।

3. **निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) हमारे देश में लोग प्रकृति को भी पूजते हैं।
(ख) चंद्रमा शीतलता का प्रतीक है।
(ग) सूर्य हमें प्रकाश और ऊर्जा देता है।
(घ) प्रकृति हमारा सब प्रकार से उपकार करती है।
(ङ) हम प्रकृति को सादर नमन करते हैं।

4. **निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए—**

उत्तरम–

प्रक्रिति	=	प्रकृतिः	चनदरम्	=	**चन्द्रम**
पायशम्	=	**पायसम्**	कूटूम्बीनः	=	**कुटुम्बिनः**
अधारः	=	**आधारः**	आक्रीस्टाः	=	**आकृष्टाः**

8 धूर्ततायाः परिणामः

अभ्यासः

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—**

उत्तरम्– (क) श्रृगालः अतीव धूर्तः आसीत्।

(ख) दीर्घा: जङ्घा:, दीर्घा ग्रीवा, दीर्घं मुखम्, ह्रस्वं पुच्छम्, कर्णौ, हस्तौ नेत्रे च इत्येता: विचित्रता: अपश्यत् श्रृगाल:।

(ग) आलुकम्, गृञ्जनम्, रक्ताङ्गं भिण्डिका च।

(घ) विविधानि हरितानि क्षेत्राणि दृष्ट्वा उष्ट्रश्रृगालौ प्रसन्नावभवताम्।

(ङ) उष्ट्रस्य पृष्ठे उपविश्य श्रृगाल: नद्या: पारम् अगच्छत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) **कस्मिंश्चिद्** वने एक: अतीव धूर्त: श्रृगाल: आसीत्।

(ख) उष्ट्र: सहर्षं श्रृगालेन सह **गन्तुं** तत्पर: अभवत्।

(ग) उष्ट्रं **श्रृगालस्य धूर्ततया** क्रोधम् उत्पन्नम् अभवत्।

(घ) धूर्त: श्रृगाल: **जलमध्ये** अप्रवहत् **मृत्युं** च अलभत्।

3. निम्नलिखित वाक्यों को लट् लकार में परिवर्तित कीजिए—

उत्तरम्– (क) उष्ट्र: स्वभावेन सरल: अस्ति।

(ख) श्रृगाल: उच्चै: शब्दं करोति।

(ग) श्रृगाल: स्व धूर्तताया: फलं लभते।

(घ) भोजनस्य भक्षणं सरलं नास्ति।

9 बुद्धेः चातुर्यम्

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) राज्ञ: विक्रमादित्यस्य सभायां बहव: पण्डिता: कवयश्च आसन्।

(ख) नृप: पण्डितानां परीक्षार्थं द्वे पुष्पमाले अरचयत्।

(ग) मालां कालिदास: पृथक् अकरोत्। स: उभेऽपि माले नीत्वा बहिर्आगच्छत्। तत्क्षणमेव एका मधुमक्षिका शुद्धपुष्पाणां मालाया: उपरि आगत्य अतिष्ठत्। एवं तेन ज्ञातं यत् कतमा माला शुद्धपुष्पाणाम् अस्ति।

(घ) कालिदास: दशलक्षस्वर्णमुद्रा: प्राप्तवान्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) कालिदास: अपि तस्य **सभाया:** एक: कवि: आसीत्।

(ख) तत: स: द्वे **पुष्पमाले** अरचयत्।

(ग) तस्मै अहं **स्वर्णमुद्राणां** दशलक्षं पुरस्कारं दास्यामि।

(घ) पण्डित: सर्वत्र **प्रशंसां** प्राप्नोति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकदा राजा विक्रमादित्य: सभाम् आह्वयत्।

(ख) राजा द्वे माले अरचयत्।

(ग) कालिदास: बुद्धिमान् आसीत्।

(घ) स: माले प्रकाशे अनयत्।

(ङ) एका मधुमक्षिका शुद्धपुष्पाणां मालाया: उपरि उपविष्टा।

4. निम्नलिखित शब्दों के विभक्ति और वचन लिखिए—

उत्तरम्–

शब्दः		विभक्तिः	वचनम्
तेषाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
पुष्पाणाम्	=	**षष्ठी**	**बहुवचनम्**
स्थानात्	=	**पञ्चमी**	**एकवचनम्**
नगर्याम्	=	**सप्तमी**	**एकवचनम्**
पण्डिताः	=	**प्रथमा**	**बहुवचनम्**

5. निम्नलिखित शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– चासन् = **च + आसन्**

तत्क्षणमेव = **तत् + क्षणम् + एव**

सभायामगच्छत् = **सभायाम् + अगच्छत्**

पुष्पाणामस्ति = **पुष्पाणाम् + अस्ति**

10 दीपावली

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) दीपावली उत्सवः कार्तिकमासस्य अमावस्यायां भवति।

(ख) श्रीरामः रावणं हत्वा सीतां च नीत्वा अयोध्यां प्रति आगतः।

(ग) अमावस्यातः पूर्वं जनाः स्वेषां गृहाणां स्वच्छतां कुर्वन्ति, भवनानि सुधया लिम्पन्ति, शोभनैः चित्रैः क्रीडनकैश्च गृहाणि अलङ्कुर्वन्ति।

(घ) सर्वे जनाः गृहेषु रात्रौ देव्याः लक्ष्म्याः पूजनं कुर्वन्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) आनन्दपूर्वकं ते परस्परम् **आलिङ्गयन्ति**।

(ख) बहूनां चित्राणां पङ्क्तयः **आपणे शोभन्ते**।

(ग) नगराणां ग्रामाणां च सुषमा **मनोमुग्धकारिणी** भवति।

(घ) सर्वे जनाः **गृहेषु** रात्रौ लक्ष्मी-पूजनं कुर्वन्ति।

3. निम्नलिखित शब्दों की वाक्य-रचना कीजिए—

उत्तरम्– (क) तुष्यन्ति = प्रियवाक्यप्रदानेन जन्तवः अपि **तुष्यन्ति**।

(ख) प्रतिवर्षम् = दीपावली उत्सवः **प्रतिवर्षम्** आयाति।

(ग) भवनानि = अस्मिन् उत्सवे **भवनानि** विद्युद्दीपैः सज्जितानि भवन्ति।

(घ) सानन्दम् = जनाः इमम् उत्सवं **सानन्दं** मानयन्ति।

4. निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी में अर्थ लिखिए—

उत्तरम्– (क) प्रज्वालयन् = **प्रज्वलित किए**

(ख) आपणेषु = **दुकानों में**

(ग) सोल्लासम् = **उल्लासपूर्वक**

(घ) सानन्दम् = **आनंदपूर्वक**

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) भारतवर्षे अनेके उत्सवा: भवन्ति।

(ख) आनन्दपूर्वकं सर्वे परस्परम् आलिङ्ग्यन्ति।

(ग) सर्वे जना: गणेशलक्ष्म्या: पूजनं कृत्वा प्रसादं वितरन्ति।

(घ) दीपावली आनन्दस्य उल्लासस्य च उत्सव: अस्ति।

6. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) भारतवर्ष में अनेक उत्सव हैं।

(ख) यह उत्सव कार्तिक मास की अमावस्या में होता है।

(ग) लोग घरों को सफेदी से पोतते हैं।

(घ) इस उत्सव के विषय में एक कथा प्रचलित है।

11 भाग्यविधाता परमेश्वरः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) राज्ञ: पञ्च कन्या: आसन्।

(ख) नृप: कन्या: आहूय बुद्धिपरीक्षणं कृतवान्।

(ग) नृपस्य प्रथमा कन्या उत्तरम् अयच्छत् यत् स्वपितृ पादस्य भाग्यबलेनैव अहम् इत्थं सुखम् उपभुजाम्।

(घ) नृपस्य कनिष्ठाया: कन्याया: इदम् उत्तरम् आसीत् यत् अहं स्वभाग्यबलेनैव सर्वप्रकारकं सुखम् उपभुजे। यत: स: परमेश्वर: एव अस्माकं सर्वेषां भाग्यविधाता अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) स: नृप: पुत्रवत् स्व **प्रजां** पालयति स्म।

(ख) एकदा स: **स्वकन्यानां** बुद्धे: परीक्षणं कृतवान्।

(ग) तस्या: वचनं श्रुत्वा राजा तां प्रति **अतिक्रुद्धः** अभवत्।

(घ) दु:खित: नृप: इतस्तत: **भिक्षाटनम्** अकरोत्।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) वह राजा अपनी प्रजा को पुत्र के समान पालता था।

(ख) एक लड़की को छोड़कर सभी ने उत्तर दिए।

(ग) एक बार उसे एक बनिए ने देखा।

(घ) अंत में उस राजा ने भाग्य के बल से ही सब कुछ होता है, स्वीकार किया।

4. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम् (क) नृप : = कस्मिंश्चिद् राज्ये एक: वीर:, उदारहृदय: प्रजावत्सल: च **नृपः** आसीत्।

(ख) कन्या: = ता: **कन्या:** अत्र आह्वयतु।
(ग) भाग्यबलेन = सा कन्या स्व **भाग्यबलेन** सर्वं सुखसौविध्यं प्राप्नोत्।
(घ) एकदा = **एकदा** तां कन्याम् एक: वणिक: अपश्यत्।

12 संस्कृत भाषा

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) संस्कृतभाषाया: साहित्यम् अतीव सरसम् अस्ति।
(ख) विश्वस्य आदिग्रन्था: ऋग्वेद:, यजुर्वेद:, सामवेद: अथर्ववेद: च सन्ति। एते संस्कृतभाषायां सन्ति।
(ग) संस्कृतभाषा सर्वासां भाषाणां जननी अस्ति।
(घ) आचार्य देवो भव, मातृदेवो भव, पितृदेवो भव इति संस्कृतभाषाया: शिक्षा अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) संस्कृतभाषाया: साहित्यम् **अतीव** सरसं वर्तते।
(ख) वाण्येका समलङ्करोति पुरुषं या **संस्कृता** धार्यतेति।
(ग) **मानवीयगुणानां** संस्काराणाञ्च उद्‌गमस्थानं **संस्कृतमेव**।
(घ) वेदस्य अङ्गानि अपि **संस्कृत** भाषायामेव सन्ति।
(ङ) गुरुसेवां च कृत्वा **संस्कृतशिक्षा फलं** प्राप्नुवन्ति स्म।

3. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) अभिव्याप्तम् = भारतीय जीवने संस्कृतम् एवम् **अभिव्याप्तम्** अस्ति यत् तस्य पृथक्करणं सर्वथा असम्भवम्।
(ख) अङ्गानि = वेदस्य **अङ्गानि** अपि संस्कृतभाषायाम् एव सन्ति।
(ग) यज्ञोपवीत = किं त्वया **यज्ञोपवीत**: धारित: अस्ति?
(घ) गीर्वाणभारती = संस्कृतभाषा **गीर्वाणभारती** अपि उच्यते।
(ङ) विश्वस्य = **विश्वस्य** प्राचीनतम: ग्रन्थ: ऋग्वेद: अस्ति।

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) संस्कृत भाषा का साहित्य बहुत ही सरस है।
(ख) प्राचीन काल में बालक संस्कृत के अध्ययन के लिए गुरुकुल में जाते थे।
(ग) संस्कृत के अध्ययन से ही हम भारतीय हैं।
(घ) और गुरु की सेवा करके संस्कृतशिक्षा–फल प्राप्त करते थे।

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) भारतीय जीवने संस्कृतम् इत्थम् अभिव्याप्तम् अस्ति यत् तस्य पृथक्करणम् असम्भवम् अस्ति।
(ख) संस्कृतभाषां सर्वासां भाषाणां जननी मन्यन्ते।
(ग) येन संस्कृतं न अधीतम् तस्य प्रयासा: शून्या: भवन्ति।
(घ) विश्वस्य आदिग्रन्था: संस्कृते एव सन्ति।

13 मिथ्या प्रशंसा

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) बुभुक्षित: काक: आसीत्।

(ख) काक: एकां रोटिकाम् अलभत्।

(ग) काक: वृक्षस्य शाखायाम् उपाविशत्।

(घ) धूर्त: श्रृगाल: काकम् अकथयत् यत् अहो! तव नृत्यम् अपि अति मनोहरम् अस्ति। तव गानं तु अवश्यमेव पिकस्य गायनात् अपि मधुरतरं भविष्यति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकदा एक: काक: बहु **बुभुक्षित:** आसीत्।

(ख) स: **भूमौ** एकां **रोटिकाम्** अलभत्।

(ग) श्रृगाल: तु **स्वभावेन** धूर्त: आसीत्।

(घ) काक: **मिथ्यां** प्रशंसां श्रुत्वा प्रसन्न: अभवत्।

3. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तरम्– (क) भूखे कौए को भूमि पर एक रोटी मिली।

(ख) धूर्त गीदड़ ने कौए की मिथ्या प्रशंसा करनी शुरू कर दी।

(ग) मैं तुम्हारा गीत सुनने के लिए आया हूँ।

(घ) झूठी प्रशंसा से कौआ प्रसन्न हो गया।

14 गीतायाम् आत्मनः नित्यत्वम्

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए—

उत्तरम्– (क) आत्मा न जायते न च म्रियते।

(ख) आत्मन: स्वरूप: नित्य: शाश्वतश्च अस्ति।

(ग) पावक: आत्मानं न दहति।

(घ) आत्मानं आप: न क्लेदयन्ति।

(ङ) मारुत: एनं न शोषयति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) न जायते **म्रियते** वा कदाचित्।

(ख) नायं भूत्वा **भविता** वा न भूय:।

(ग) वासांसि **जीर्णानि** यथा विहाय।

(घ) य एनं वेत्ति **हन्तारम्**।

3. सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– कदाचिन्न = **कदाचित् + न**

शाश्वतोऽयम्	=	**शाश्वतः + अयम्**
चैनम्	=	**च + एनम्**
क्लेदयन्त्यापः	=	**क्लेदयन्ति + आपः**

4. भगवद्गीता का एक श्लोक लिखिए—

उत्तरम्– यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

15 पत्रम्

अभ्यासः

1. निम्नलिखित वाक्यों के लिए प्रश्न बनाकर लिखिए—

उत्तरम्– (क) वायुः **कस्मै** आवश्यकः अस्ति?
(ख) **केन** शरीरम् अस्वस्थं भवति?
(ग) अद्य प्रदूषणेन जलं **कीदृशं** नास्ति?
(घ) तीव्रेण कोलाहलेन **किं** नश्यति?

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) वयं वायुमण्डले एव श्वासं **प्रश्वासं** च कुर्मः।
(ख) श्वासाय **जीवनाय** च **शुद्धः** वायुः आवश्यकः अस्ति।
(ग) मनुष्याणां कर्णाः **सीमितं** शब्दम् एव सहन्ते।
(घ) प्रथमः उपायः अस्ति **वृक्षारोपणम्**।

3. शब्दार्थों के सही जोड़े मिलाइए—

उत्तरम्–

शब्दः	**अर्थः**
मलिनानि	**मैले**
निराकरणस्य	**दूर करने का**
विविधानि	**अनेक प्रकार के**
किञ्चित्	**कुछ**
यतः	**क्योंकि**
वृक्षारोपणम्	**पेड़ लगाना**

4. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए—

उत्तरम्–

(क)	जीवनम्	=	जलम् एव **जीवनम्** अस्ति।
(ख)	वाहनम्	=	इदं **वाहनम्** अति ध्वनिः करोति।
(ग)	जलम्	=	अस्याः नद्याः **जलं** निर्मलं शीतलं चास्ति।
(घ)	ध्वनिः	=	वायुयानस्य **ध्वनिः** अति तीव्रा भवति।
(ङ)	आरोपणम्	=	पर्यावरणस्य शुद्ध्यै वृक्षाणाम् **आरोपणम्** अति आवश्यकम्।

5. निम्नलिखित शब्दों में सन्धि कीजिए—

उत्तरम्–	(क)	यन्त्र	+	आलय:	=	**यन्त्रालयः**
	(ख)	पेय	+	जलम्	=	**पेयजलम्**
	(ग)	महा	+	नगरम्	=	**महानगरम्**
	(घ)	वृक्ष	+	आरोपणम्	=	**वृक्षारोपणम्**

16 व्याकरणम्

अभ्यासः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।

1 प्रार्थना

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तरम्– (क) महोदधि: युक्त: अस्ति।
(ख) सूर्य: सहस्रांशु: अस्ति।
(ग) ईश्वर: अखिलम् धार्यते।
(घ) ईश्वर: अस्माकम् दुर्गुणान् हरित।
(ङ) महाकाशो पिता: वन्द्य: अस्ति।

2. श्लोक-पंक्तियों को पूरा कीजिए–

उत्तरम्– (क) येन शुक्लीकृतो **हंसो लवणाक्तो महोदधिः**।
सहस्रांशुः कृतः सूर्यस्तस्मै सर्वात्मने नमामः।
(ख) यच्छ बुद्धिं **बंल यच्छ यच्छ** विद्यां च नम्रताम्।
कर्तव्यनिष्ठतां **यच्छ यच्छ स्वास्थ्यं** सुखं तथा।।
(ग) भवाम: देशभक्ता: वयं **दीनानां च सहायकाः**।
अस्माकं प्रार्थनां पूरय मङ्गलं कुरु हे प्रभो।।

3. निम्नलिखित श्लोकों का अपने शब्दों में अर्थ लिखिए–

उत्तरम्– अर्थ– (क) जिसने हंस को सफेद, समुद्र को नमकयुक्त और सूर्य को सहस्रों किरणों वाला बनाया, उस सर्वात्मा को हमारा प्रणाम है।
(ख) हे प्रभु! हमारे दुगुणों को दूर करो, सदगुणों को दो। हम अच्छे कार्य करें और बुरे कार्यों को छोड़ दें।

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तरम्–

(क)	लवणाक्तो	=	**लवण + अक्तो**
(ख)	परमेश्वर:	=	**परम + ईशवरः**
(ग)	महोदधि:	=	**महा + उदधिः**
(घ)	सूर्यस्तस्मै	=	**सूर्यः + तस्मै**
(ङ)	सहस्रांशु:	=	**सहस्रः + अंशुः**
(च)	सर्वात्मने	=	**सर्व + आत्मने**

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तरम्– (क) ईश्वर: सर्वेषु: प्राणिन: रचयति।
(ख) सूर्य: प्रकाशं यच्छति।
(ग) ईश्वर: सर्वदा ध्यान योग्य: अस्ति।
(घ) प्रभो! अस्माकं दुर्गुणान् दूरीकरोति।
(ङ) वयं देशभक्ता: भवाम:।

6. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तरम्– (क) हंस: = **हंस**: श्वेत: भवति।

(ख) सदगुणान् = हे प्रभो! **सद्गुणान्** यच्छ ।

(ग) पिता = **पिता** महाकाशो वन्द्य:।

(घ) माता = **माता** वसुन्धरा पूज्य।

(ङ) हरति = ईश्वर: अस्माकं दुर्गुणान् **हरन्ति**।

(च) देशभक्त: = वयं **देशभक्ता:** भवाम:।

2 धनस्य मत्तवम्

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए–

उत्तरम्– (क) संसारे सर्वश्रेष्ठं वस्तु धनम् अस्ति।

(ख) धनं विना जीविकानिर्वाह: कथमपि न भवति कार्याणि च न सिद्धयन्ति।

(ग) यस्य पाशर्वे धन नास्ति।

(घ) निर्धनता समस्तानाम् आपदानां गृहम् अस्ति।

(ङ) प्राचीनै: मुनिभि: अपि धनस्यावश्यकता उपयोगिता च स्वीकृता।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

उत्तरम्– (क) धनं विना विद्यार्थी **विद्योपार्जनम्** कर्तुं न शक्यते।

(ख) तस्य स्वजना: अपि **परकीया:** भवन्ति।

(ग) धनं विना **शीलशशिन: कांति अपि** परिम्लायते।

(घ) निर्धनता समस्तानाम् **आपदाम्** गृहम् अस्ति।

(ङ) संसारे सर्वे: गुणा: **काञ्चनम्** आश्रयन्ति।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

उत्तरम्– (क) धनम् बिना किमपि कार्यम् न सिध्यति।

(ख) निर्धनता समस्तानाम् आपदानाम् गृहम् अस्ति।

(ग) निर्धनजनस्य जीवनम् व्यर्थम् अस्ति।

(घ) सर्वे गुणा: काञ्चमाश्रयन्ति।

(ङ) संसारे सर्वे गुणा: धनमेवाश्रयन्ति।

4. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए–

उत्तरम्– (क) नास्ति = **न + अस्ति**

(ख) कथमपि = **कथम् + अपि**

(ग) विद्योपार्जनं = **विद्या + उपार्जनम**

(घ) को—पि = **क: + अपि**

(ङ) धनेनैव = **धनेन + एव**

5. समानार्थक शब्दों को मिलाइए—

उत्तरम्– (क) विद्या → (iii) ज्ञानम्

(ख) धनम् → (i) वित्तम्

(ग) जन: → (iv) नर:

(घ) पार्श्वे

(ङ) संसारे → (ii) जगति

(v) समीपे

6. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए–

उत्तरम्–

(क)	धनम्	=	यस्य पार्श्वे **धनम्** न अस्ति, तस्य काचिदपि कार्यं पूर्णा न भवति।
(ख)	न्यायालये	=	**न्यायालये** अपि धनम् आवश्यकं अस्ति।
(ग)	जना:	=	धनेन बिना स्व**जना:** अपि परकीया: भवन्ति।
(घ)	गुणा:	=	सर्वे**गुणा:** काञ्चनमाश्रयन्ति।
(ङ)	संसारे	=	**संसारे** सर्वेगुणा: धनमेवाश्रयन्ति।

7. निम्नलिखित श्लोक का हिन्दी अर्थ लिखिए–

उत्तरम्– हिंदी अर्थ– प्राचीन मुनियों ने भी धन की आवश्यकता और उपयोगिता स्वीकार की। चतुर्वर्ग फल (धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष) की प्राप्ति भी धन से ही संभव होती है। धर्म भी धन से ही फैलता है। इसलिए सभी को धन अर्जित करना चाहिए। धन से अकुलीन भी कुलीन हो जाते हैं। संसार में सभी गुण धन पर ही आश्रित होते हैं। और कहा गया—जिसके पास धन है, वह मनुष्य कुलीन है, विद्वान है। वह वेदों का ज्ञाता और गुणी है। वही वक्ता और वही दर्शनीय है। सभी गुण धन पर ही आश्रित होते हैं।

3 सदाचार:

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) सज्जना: सद् एव विचारयन्ति।

(ख) सज्जना: शिष्टं व्यवहारं कुर्वन्ति।

(ग) विनयशील: जन: सर्वेषां जनानां प्रिय: भवति।

(घ) विनय: सदाचारात् उद्‌भवति।

(ङ) इन्द्रिय-संयम: सदाचारस्य मूले तिष्ठति।

(च) यदि चरित्रं नष्टं भविष्यति तु सर्वं नष्टं भविष्यति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) सज्जनानाम् **आचार:** सदाचार: इति कथ्यते।

(ख) विनय: हि **मनुष्याणां** भूषणम्।

(ग) विनय: **सदाचारात्** उद्‌भवति।

(घ) **चरित्रं** यदि नष्टं स्यात् तर्हि सर्वं विनष्टं भवति।

(ङ) वर्णानां **सान्तरालानां** स: सदाचार: उच्यते।

3. निम्नलिखित शब्दों का हिंदी में अर्थ लिखिए—

उत्तरम्–

भूषणम्	=	**गहना**	विचारयन्ति	=	**विचार करते हैं**
उद्भवति	=	**उत्पन्न होता है**	कृत्वा	=	**करके**
शिष्ट:	=	**सभ्य**	सद्गुणा:	=	**अच्छे गुण**

4. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत-वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) आचार: = सताम् **आचार:** सदाचार: कथ्यते।

(ख) भूषणम् = ताराणां **भूषणं** चन्द्र: अस्ति।

(ग) धैर्य: = प्रत्येकस्मिन् मानवे **धैर्य:** अत्यावश्यक: अस्ति।

(घ) नष्टम् = यदि चरित्रं **नष्टं** भवति तु सर्वं विनष्टं भवति।

(ङ) रक्षा = सदारचारस्य सदा **रक्षा** करणीया।

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) सदाचार: सर्वप्रधान: गुण: अस्ति।

(ख) सर्वै: सह शिष्टं व्यवहर्तव्यम्।

(ग) सज्जना: सदा सत्यं वदन्ति।

(घ) सदाचारस्य नाम नियम: संयम: च अस्ति।

(ङ) चरित्रे नष्टे सर्वं नष्टं भवति।

6. निम्नलिखित शब्दों का सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	सज्जनानाम्	=	**सत्**	+	**जनानाम्**
(ख)	विचारयन्ति	=	**वि**	+	**चारयन्ति**
(ग)	व्यवहार:	=	**वि**	+	**अवहार:**
(घ)	नियम:	=	**नि**	+	**यम:**
(ङ)	अनुचित:	=	**अन्**	+	**उचित:**
(च)	वर्णानाम्	=	**वर्णान्**	+	**आम्**
(छ)	उच्यते	=	**उत्**	+	**यते**

4 संस्कृत-महत्ता (सम्वाद:)

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) संस्कृतभाषायां श्रेष्ठानि काव्यानि सन्ति।

(ख) सम्पूर्णस्य भारतस्य भाषा संस्कृतभाषा अस्ति।

(ग) संस्कृतभाषा अद्भुता भाषा अस्ति।

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) मित्र माधव! किं करोषि? (ख) अहं संस्कृतं पठामि।

(ग) अहम् असत्यं न वदामि। (घ) इयम् अद्भुता भाषा अस्ति।

(ङ) संस्कृत सम्पूर्णस्य भारतस्य भाषा अस्ति।

3. विपरीतार्थक शब्द लिखिए—

उत्तरम्–

शत्रुः	=	**मित्रम्**	हानिः	=	**लाभः**
विशालः	=	**लघुः**	असत्यम्	=	**सत्यम्**
आगच्छ	=	**गच्छ**	विस्तृतम्	=	**सङ्कीर्णम्**

4. शब्द और अर्थ के ठीक जोड़े मिलाइए–

उत्तरम्–

	शब्दः		**अर्थः**
(क)	वार्तानाम्	**(vi)**	**बातों का**
(ख)	कवीनाम्	**(ix)**	**कवियों का**
(ग)	विश्वस्मिन्	**(ii)**	**इस संसार में**
(घ)	पृच्छ	**(vii)**	**पूछो**
(ङ)	निर्गताः	**(viii)**	**निकली हैं**
(च)	रचिताः	**(i)**	**रची गईं**
(छ)	ग्रन्थाः	**(v)**	**ग्रंथ**
(ज)	जननी	**(iv)**	**माता**
(झ)	अद्भुता	**(iii)**	**अनोखी**

5. सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (✗) का चिह्न लगाइए—

उत्तरम्– (क) (✗), (ख) (✓), (ग) (✗), (घ) (✓)।

5 विज्ञान-युगम्

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) कस्यचित् पदार्थस्य विशिष्टानां गुणानाम् अन्वेषणं कृत्वा तस्य शक्तेः मानवसुखाय प्रयोगम् इति विज्ञानम्।

(ख) विज्ञानं विना किमपि कार्यं साधयितुं न शक्यते।

(ग) यातायातसञ्चारे, सम्वादप्रेषणे, मनोरञ्जने, यन्त्रादिसञ्चालने चिकित्सादि च कार्येषु जाताः सुविधाः विज्ञानस्य लाभाः एव सन्ति।

(घ) विज्ञानस्य शक्तेः विद्युत्प्रयोगः श्रेष्ठः अस्ति।

(ङ) विज्ञानं प्रति अस्माकं कर्तव्यम् अस्ति यत् वयं विज्ञानं मानवहिताय एव नियोजयेम न तु मानवविनाशाय।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) विशिष्टं ज्ञानं **विज्ञानम्** इति उच्यते।

(ख) **विद्युच्छक्त्या** प्रकाशः भवति।

(ग) सर्वत्रैव **विज्ञानस्य** गतिरवलोक्यते।

(घ) चिकित्सा क्षेत्रे तु अभूतपूर्वा **महत्युन्नतिः** सञ्जाता।

(ङ) विज्ञानं मानवहिताय एव **नियोजयेत्** न तु **मानवविनाशाय**।

3. निम्नलिखित शब्दों को उनके अर्थों से मिलाइए—

उत्तरम्–

	शब्दः		अर्थः
(क)	द्युलोकः	**(iv)**	**स्वर्गलोक**
(ख)	कस्यचित्	**(v)**	**किसी का**
(ग)	दृश्यते	**(vi)**	**दिखाई देता है**
(घ)	गृहीत्वा	**(i)**	**लेकर**
(ङ)	शक्यते	**(ii)**	**सकता है**
(च)	किमपि	**(iii)**	**कोई भी**

4. सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	महत्युन्नतिः	=	**महती + उन्नतिः**
(ख)	सोऽस्ति	=	**सः + अस्ति**
(ग)	किमपि	=	**किम् + अपि**
(घ)	इत्यादीनि	=	**इति + आदीनि**
(ङ)	तदनुकूलम्	=	**तत् + अनुकूलम्**
(च)	समुपलभ्यते	=	**सम् + उपलभ्यते**
(छ)	सर्वत्रैव	=	**सर्वत्र + एव**

5. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) वर्तमानं युगं विज्ञानयुगं कथ्यते।
(ख) विज्ञानेन अनेके लाभाः सन्ति।
(ग) विज्ञानं विना कतममपि कार्यं सिद्धं न भवितुं शक्यते।
(घ) विद्युता व्यजनानि चलन्ति।
(ङ) विज्ञानस्य प्रयोगं मानवहिताय करणीयम्।

6. निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए—

उत्तरम्–

पदार्थस्य	=	**पदार्थानाम्**	विज्ञानेन	=	**विज्ञानैः**
चिकित्साक्षेत्रे	=	**चिकित्साक्षेत्रेषु**	तस्य	=	**तेषाम्**
सागरे	=	**सागरेषु**	विशिष्टम्	=	**विशिष्टानि**

7. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) विज्ञान की सर्वाधिक उपयोगी शक्ति विद्युत है।
(ख) विद्युत की शक्ति से प्रकाश होता है।
(ग) हमने विज्ञान के माध्यम से प्रकृति में प्रभुत्व भी स्थापित कर लिया।
(घ) वर्तमानकाल में चिकित्सा क्षेत्र में तो अभूतपूर्व बहुत ज्यादा उन्नति हो गई है।
(ङ) दुस्साहय अस्थिभंग भी शल्यचिकित्सा (सर्जरी) द्वारा दूर किए जाते हैं।

8. निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए—

उत्तरम्–

शब्दः		धातुः	प्रत्ययः
ग्रहीत्वा	=	**ग्रह्**	**क्त्वा**
कृत्वा	=	**कृ**	**क्त्वा**
साधूक्तम्	=	**उच्**	**क्त**

दृष्ट्वा	=	**दृश्**	**क्त्वा**
कर्तुम्	=	**कृ**	**तुमुन्**

6 पञ्चामृतम्

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) श्वः यत् करणीयं तत् बुद्धिमान् अद्यैव कुर्यात्।

(ख) पिपीलिकार्जितं धान्यम् मक्षिकासञ्चितं मधु लुब्धेन च सञ्चितं द्रव्यं समूलं विनश्यति।

(ग) नहि, स्वभावः उपदेशेन अन्यथा कर्तुं न शक्यते।

(घ) अगाधजलसञ्चारी रोहितः गर्वं नायाति।

(ङ) दुर्जनः सर्पात् अतः क्रूरतरः भवति यतोहि सर्पस्तु काले एव दशति परं दुर्जनः पदे पदे दशति।

2. रेखाङ्कित पदों के आधार पर प्रश्ननिर्माण कीजिए—

उत्तरम्– (क) **कीदृशं** पानीयं पुनः शीततां गच्छति?

(ख) खलः **कस्मात्** क्रूरतरः भवति?

(ग) शफरी **कथं** फर्फरायते?

(घ) **का** धान्यम् अर्जयति?

3. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थक शब्द लिखिए—

उत्तरम्–

विज्ञः	**बुद्धिमान्**	धनम्	**द्रव्यम्**
जलम्	**पानीयम्**	दुष्टः	**खलः**
नष्टः	**विनष्टः**	उरगः	**सर्पः**

4. 'क' स्तंभ में दिए गए श्लोकों का 'ख' स्तंभ दिए गए श्लोकों से मेल मिलाइए—

उत्तरम्–

'क'	**'ख'**
(क) सुतप्तमपि पानीयं	**(iii) पुनर्गच्छति शीतताम्।**
(ख) सर्पः दशति कालेन	**(iv) दुर्जनः तु पदेपदे।**
(ग) नहि कश्चित् विजानाति	**(ii) कस्य किं श्वो भविष्यति।**
(घ) लुब्धेन सञ्चितं द्रव्यं	**(i) समूलं हि विनश्यति।**

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

उत्तरम्–

सज्जनः	**दुर्जनः**	ह्यः	**श्वः**
शीतलम्	**उष्णम्**	त्यागी	**लुब्धः**
मूर्खः	**विज्ञः**	दिनम्	**रात्रिः**

6. उदाहरण के अनुसार नीचे लिखे पदों में से विशेषणों को अलग कीजिए–

उत्तरम् (क) सुतप्तं पानीयम् — **सुतप्तं**

(ख) सञ्चितं मधु — **सञ्चितं**

(ग) अगाधजलसञ्चारी रोहित: — **अगाधजलसञ्चारी**

(घ) क्रूर: सर्प: — **क्रूर:**

7 प्रश्नानां समाधानम्

अभ्यास:

1. निम्नलिखित प्रश्नों के संस्कृत में उत्तर दीजिए—

उत्तरम्– (क) 'सर्वोत्तम: समय: क:? सर्वोत्तम: जन: क:? सर्वोत्तमं कार्यं किमिति' प्रश्ना: नृपस्य मनसि आगता:।

(ख) स्व प्रश्नानां समाधानाय नृप: एकस्य संन्यासिन: पार्श्वे अगच्छत्।

(ग) राज्ञ: अङ्गरक्षका: आश्रयात् किञ्चिद्दूरे अतिष्ठन्।

(घ) आहत: जन: राजानं हन्तुम् आगत: आसीत्।

(ङ) साक्षात् पुरत: वर्तमानं कार्यं सर्वोत्तमं कार्यमिति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) नृप: तेषामुत्तरै: **सन्तुष्ट:** नाभवत्।

(ख) स: एकाकी **सामान्यवेषेण** आश्रममगच्छत्।

(ग) स: तत्र **भूमौ** पतित्वा **मूर्च्छां** गत:।

(घ) भवान् मयि **दयां** करोतु।

(ङ) एतै: **उत्तरै:** सन्तुष्ट: नृप: **नगरं** प्रत्यागच्छत्।

3. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का चिह्न लगाइए—

उत्तरम्– (क) (✗) (ख) (✓) (ग) (✗) (घ) (✓) (ङ) (✗)।

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिंदी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) राजा के मन में तीन प्रश्न आए।

(ख) राजा की शंका का समाधान नहीं हुआ।

(ग) अधिक रक्तस्राव के कारण वह मूर्च्छित हो गया।

(घ) भाग्य से उसके प्राण बच गए।

(ङ) थके हुए राजा ने रात को आश्रम में ही विश्राम किया।

5. निम्नलिखित वाक्यों में दिए गए क्रिया-शब्दों को रेखांकित कीजिए—

उत्तरम्– (क) तस्य मनसि त्रय: प्रश्ना: <u>समागता:</u>।

(ख) स: संन्यासिनं निकषा <u>अगच्छत्</u>।

(ग) स: भूमौ <u>पतित्वा</u> मूर्च्छां <u>गत:</u>।

(घ) तेन अहं भवन्तं <u>हन्तुं</u> प्रेषित: <u>आसम्</u>।

(ङ) नृप: तस्मै क्षमा <u>दत्तवान्</u>।

8 गीतोपदेशः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) शस्त्राणि आत्मानं न छिन्दन्ति।
(ख) पावकः आत्मानं न दहति।
(ग) मारुतः आत्मानं न शोषयति।
(घ) आत्मा न जायते।
(ङ) आत्मा न म्रियते।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) देहिनोऽस्मिन् **यथा देहे कौमारं यौवनं** जरा।
(ख) न जायते म्रियते वा **कदाचिन्नायं भूत्वा भविता वा न भूयः**।
(ग) **वासांसि जीर्णानि यथा विहाय** नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि।
(घ) **ततो युद्धाय युज्यस्व** नैवं पापमवाप्स्यसि।
(ङ) नैनं **छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति** पावकः।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) हन्यमानेऽपि अयम् आत्मा न म्रियते।
(ख) यथा जीर्णानि वस्त्राणि विहाय नवीनानि वस्त्राणि धारयन्ति।
(ग) एनं शस्त्राणि न छेत्तुं शक्नुवन्ति।
(घ) त्वं पापं न अवाप्यसि।
(ङ) आत्मा न जायते, न म्रियते।

4. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) न कभी पैदा होता है और न मरता है।
(ख) आत्मा भी नए शरीर धारण करता है।
(ग) न इसे शस्त्र काटते हैं, न इसे अग्नि जलाती है।
(घ) इसके बाद युद्ध के लिए तैयार हो जाओ, इस प्रकार पाप को प्राप्त नहीं होओगे।

5. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

धीरस्तत्र	=	**धीरः + तत्र**
कदाचिन्नायम्	=	**कदाचित् + च + अयम्**
शाश्वतोऽयम्	=	**शाश्वतः + अयम्**
नैनम्	=	**न + एनम्**
पापमवाप्स्यसि	=	**पापम् + अवाप्स्यासि**

6. पाठ के किन्हीं दो श्लोकों का भावार्थ लिखिए–

उत्तरम्– भावार्थ (क) जैसे जीवात्मा के इस शरीर में बालकपन, यौवन और वृद्धावस्था होती है, वैसे ही अन्य शरीर की प्राप्ति होती है। जो धैर्यवान पुरुष होते हैं, वे इस विषय में मोहग्रस्त नहीं होते।

(ख) जिस प्रकार मनुष्य जीर्ण (पुराने) कपड़ों को छोड़कर नए कपड़े धारण करता है, वैसे ही आत्मा भी जीर्ण–शीर्ण शरीरों को छोड़कर नए शरीरों को धारण करता है।

9 सुभाषितानि

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) निद्रा, तन्द्रा, भयः, क्रोधः, आलस्यं दीर्घसूत्रता च इति षड्दोषाः पुरुषेण हातव्याः।

(ख) गुणः रूपं भूषयते।

(ग) गच्छन् पिपीलिका शत योजनाद् अपि अधिकं याति।

(घ) दुर्जनस्य संसर्गः त्याज्यः।

(ङ) षोडशे वर्षे प्राप्ते पुत्रं मित्रमिवाचरेत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) उद्यमः **साहसः धैर्यः बुद्धिः शक्तिः** पराक्रमः।

(ख) गच्छन् पिपीलिका याति **योजनानां** शतान्यपि।

(ग) त्यज **दुर्जन** संसर्गः भज **नित्यमनित्यताम्**।

(घ) एकेनापि सुवृक्षेण **पुष्पितेन** सुगन्धिना।

(ङ) लालयेत् **पञ्चवर्षाणि** दशवर्षाणि **ताडयेत्**।।

3. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

उत्तरम्–

आलस्यः	=	**परिश्रमः**	पुत्रः	=	**पुत्री**
क्रोधः	=	**अक्रोधः**	सत्यः	=	**असत्यः**

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) भूतिमिच्छतां षड्दोषाः समाप्ताः भवन्ति।

(ख) पुष्पितेन वृक्षेण वनं सुगन्धितं भवति।

(ग) दुर्जनस्य संसर्गः त्याज्यः।

(घ) षोडशवर्षीयेन पुत्रेण मित्रमिवाचरणीयम्।

(ङ) धर्मम् आचरत सत्यं च वदत।

5. निम्नलिखित शब्दों का प्रयोग करके संस्कृत में वाक्य बनाइए—

उत्तरम्– (क) आलस्यम् = अद्यतनीयं कार्यम् **आलस्यं** विहाय अद्यैव करणीयम्।

(ख) सहायकृतः = यः सन्मार्गम् अनुसरति, तस्मै देवः अपि **सहायकृतः** भवति।

(ग) संसर्गः = दुर्जनानां **संसर्गः** कदापि न करणीयम्।

(घ) पिपीलिका = **पिपीलिका** बहु परिश्रमी भवति।

(ङ) धर्मम् = सर्वदा **धर्मम्** आचरत।

6. निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) पाँच वर्ष का होने तक उसका (पुत्र) लालन–पालन करना चाहिए और जब वह

दस वर्ष का हो जाए तो गलत कार्य करने पर मारना चाहिए अर्थात् दंड देना चाहिए।

(ख) सोलह वर्ष का होने पर पुत्र के साथ मित्र के समान आचरण करना चाहिए।

(ग) दिन-रात पुण्य-कार्य करो और उस नित्य-अनित्य को याद करो।

(घ) विद्या (ज्ञान) को सफलता सजाती है अर्थात् भूषित करती है।

(ङ) चींटी जाती हुई सौ योजन से भी अधिक चली जाती है।

7. निम्नलिखित शब्दों में सन्धि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– (क) भूतिमिच्छता = **भूतिम् + इच्छता**

(ख) पुण्यमहोरात्रम् = **पुण्यम् + अहोरात्रम्**

(ग) माऽधर्मम् = **मा + अधर्मम्**

(घ) एकेनापि = **एकेन + अपि**

10 शठे शाठ्यं समाचरेत्

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) हरिरामः फल-विक्रेता आसीत्।

(ख) फलानि विक्रीय फल-विक्रेता स्व कुटुम्बस्य लालनं पालनं करोति स्म।

(ग) तस्य आपणे एकः गजः आगच्छति स्म।

(घ) गजः कुपितः अभवत् यतोहि हरिरामस्य पुत्रः तस्य शुण्डादण्डे छेदनम् अकरोत्।

(ङ) शठे शाठ्यं समाचरेत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) एकस्मिन् नगरे एकः **फल-विक्रेता** आसीत्।

(ख) **फल-विक्रेता** खादितुं तस्मै फलानि यच्छति स्म।

(ग) तस्य पुत्रः **अति चञ्चलः** आसीत्।

(घ) शुण्डादण्डे **सूचिकया** छेदनम् अकरोत्।

(ङ) शठे **शाठ्यं** समाचरेत्।

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) ज्ञात्वा = साधुः तस्य समस्यां **ज्ञात्वा** तां समस्यां दूरम् अकरोत्।

(ख) वृत्तान्तः = अयं **वृत्तान्तः** राजानं ज्ञापयत।

(ग) फल-विक्रेता = **फल-विक्रेता** गजाय प्रतिदिनं कदलीफलादिकं ददाति स्म।

(घ) आपणम् = रोहितः नूतनानि वस्त्राणि क्रेतुम् **आपणम्** अगच्छत्।

(ङ) चञ्चलः = भ्रमरः **चञ्चलः** भवति।

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) फलानि विक्रीय सः स्व कुटुम्बस्य पालनं करोति स्म।

(ख) गजः सरोवरे स्नातुम् अगच्छत्।

(ग) सः तस्य शुण्डादण्डे सूचिकाम् अचोभयत्।
(घ) सः स्वभावेन साधुः अस्ति।
(ङ) शठे शाठ्यं समाचरेत्।

5. निम्नलिखित शब्दों की हिंदी लिखिए—

उत्तरम्–

अनिष्टम्	=	**बुरा**	वृत्तान्तम्	=	**समाचार**
मलिनम्	=	**गंदा**	शाठ्यम्	=	**दुष्टता**
अक्षिपत्	=	**फेंका**	प्रकृत्याः	=	**स्वभाव से**

6. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्–

विक्रेता	=	**व् + इ + क् + र् + ए + त् + आ**
सूचिका	=	**स् + ऊ + च् + इ + क् + आ**
जलाशयम्	=	**ज् + अ + ल् + आ + श् + अ + य् + अ + म्**
प्रकृत्या	=	**प् + र् + अ + क् + ऋ + त् + य् + आ**

11 सङ्गतेः प्रभावः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) मुनिः एकस्मिन् वने वसति स्म।
(ख) खगौ मुनिः प्रकामं स्नेह्यति स्म।
(ग) प्रथमं मुनेः पार्श्वे एकः सन्तः आगतः।
(घ) मुनिः खगौ द्रष्टुम् ऐच्छत्।
(ङ) चौरस्य खगः अवोचत् यत् गृह्णातु गृह्णातु, मारय मारय, लुण्ठ लुण्ठ इति।
(च) अन्ते मुनिः अविचारयत् यत् सत्सङ्गतिः परमः धर्मः इति यतोहि सः उभयोः स्वभावयोः बहु अन्तरम् अपश्यत्।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) सः मुनिः द्वौ **खगौ** अपालयत्।
(ख) खगौ नित्यम् ईशं **भजतः** स्म।
(ग) सः मुनेः एकं **खगम्** अयाचत्।
(घ) तं मुनिं दृष्ट्वा **एवम्** अवोचत्।
(ङ) **सत्सङ्गतिः** किं न करोति **पुंसाम्**।

3. निम्नलिखित शब्दों का संस्कृत-वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्–

(क)	अपरम्	=	**अपरं** शुक-शावकम् अपि मह्यं देहि।
(ख)	सत्सङ्गतिः	=	**सत्सङ्गतिः** प्रत्येकं जनम् उन्नति-पथि नयति।
(ग)	प्रकामम्	=	मुनिः मृगं **प्रकामं** स्नेह्यति।
(घ)	चौरः	=	धनिकस्य गृहात् **चौरः** रात्रौ सर्वं धनम् अचोरयत्।
(ङ)	गृह्णातु	=	भो जनः! एनं चौरं **गृहणातु**।

4. **निम्नलिखित शब्दों का हिन्दी में अर्थ लिखिए—**

उत्तरम्–

प्रकामम्	=	**बहुत**	खग:	=	**पक्षी**
गृह्णातु	=	**पकड़ो**	तौ	=	**वे दोनों**
तिष्ठतु	=	**ठहरो**	पुंसाम्	=	**मनुष्यों की**

5. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) वने बहव: पशुपक्षिण: निवसन्ति स्म।

(ख) जना: कथयन्ति यत् शुक: मनुष्यवत् वक्तुं शक्यते।

(ग) अपर: शुक: चौरस्य सङ्गतौ दुष्ट: अभवत्।

(घ) मुनि: प्रथमस्य शुकस्य वार्तां श्रुत्वा दु:खित: अभवत्।

(ङ) मुनि: खगौ प्रकामं स्नेह्यति स्म।

6. **विपरीतार्थक शब्द लिखिए—**

उत्तरम्–

साधु:	=	**दुष्ट:**	स्नेह:	=	**द्वेष:**
आगत:	=	**गत:**	सज्जन:	=	**दुर्जन:**
दु:ख:	=	**सुखम्**	त्याग:	=	**ग्रहणम्**

12 जलस्य महत्त्वम्

अभ्यास:

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—**

उत्तरम्– (क) मानवजीवने जलस्य अधिकं महत्त्वम् अस्ति।

(ख) भारतदेश: कृषिप्रधान: देश: अस्ति।

(ग) जना: क्षेत्राणां सेचनं वृष्टिजलेन, नदीजलेन, प्रपातजलेन, कूपजलेन तडागजलेन वा कुर्वन्ति।

(घ) जलं विना तृणानि अपि जीवितुं न शक्नुवन्ति।

(ङ) उद्योगानां विकासार्थं विद्युच्छक्ते: अपेक्षा भवति।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—**

उत्तरम्– (क) **भारतदेश:** कृषिप्रधान: अस्ति।

(ख) जलस्य पर्यायवाचक: शब्द: **जीवनम्** अपि अस्ति।

(ग) अस्माकं देश: नदीजलेन **शस्यसम्पन्न:** भवति।

(घ) तृणादीनि पशूनाम् **आहारा:** भवन्ति।

(ङ) नद्या: जलम् **विद्युदुत्पादनेऽपि** सहायकं भवति।

3. **निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) भारत देश कृषि प्रधान है।

(ख) मानव जीवन में जल अत्यावश्यक होता है।

(ग) नदी का जल विद्युत उत्पादन में भी सहायक होता है।

(घ) नदियाँ वर्षा के जल पर आश्रित होती हैं।

(ङ) हमारा देश नदी के जल से हरा-भरा होता है।

4. **निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—**

उत्तरम्– (क) भारत: कृषिप्रधान देश: अस्ति।

(ख) मानव जीवननाय जलम् अति आवश्यकम् अस्ति।

(ग) नद्यां वृष्टिजलं बहु कालपर्यन्तं तिष्ठति।

(घ) नद्या: जलं विद्युत् निर्माणे सहायकं भवति।

(ङ) जलं विना तृणानि अपि जीवितुं न शक्नुवन्ति।

5. **निम्नलिखित शब्दों को संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए—**

उत्तरम्–

(क)	अपि	=	अद्य अहम् **अपि** क्रीडनाय चलिष्यामि।
(ख)	अस्ति	=	मम क्रिकेट-क्रीडायां बहु रुचि: **अस्ति**।
(ग)	कृषका:	=	**कृषका:** क्षेत्रेषु कार्याणि कुर्वन्ति।
(घ)	सर्वत्र	=	अनावृष्ट्या **सर्वत्र** हाहाकार: अभवत्।
(ङ)	यत्र-तत्र	=	**यत्र-तत्र** सर्वत्र वेदमन्त्रा: श्रूयन्ते।

6. **निम्नलिखित शब्दों में सन्धि-विच्छेद कीजिए—**

उत्तरम्–

तथैव	=	**तथा + एव**
तृणादीनि	=	**तृण + आदीनि**
अत्यावश्यकम्	=	**अति + आवश्यकम्**
जीवनेऽपि	=	**जीवने + अपि**

13 *जीवनस्य त्रय उद्देश्या:*

अभ्यास:

1. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—**

उत्तरम्– (क) मानवस्य सार्थक: कर्म: अयमस्ति यत् येन यत् अधीतं तत् अध्यापितम् अर्थात् किञ्चित् किञ्चित् संग्रहं कृत्वा दानम् अपि करणीयम्।

(ख) भक्ते: नव प्रकारा: भवन्ति।

(ग) केशवकीर्तन श्रेष्ठतमा भक्ति: इति।

(घ) विद्यादानेन नित्यं वर्धते कदापि च क्षयं न याति।

(ङ) जीवनस्य द्वितीयो उद्देश्य: अयम् अस्ति यत् प्रात:कालात् सायङ्काल पर्यन्तम् उद्योगं कृत्वा देवाराधनं करणीयम्।

2. **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तरम्– (क) संसारे **नरत्वं** दुर्लभं भवति।

(ख) किञ्चित् किञ्चित् **संग्रहं** कृत्वा दानं करणीयम्।

(ग) इदं तु **व्यये** कृते नित्यं नित्यं वर्द्धते।

(घ) **उद्योगं** विना मानवशरीरं व्यर्थं प्रतीयते।

(ङ) संसारे अनेकानि वस्तूनि **दानाय** सन्ति।

3. **निम्नलिखित शब्दों से संस्कृत में वाक्य-रचना कीजिए–**

उत्तरम्– (क) उद्योगम् = अस्माभिः सर्वैः आलस्यं विहाय **उद्योगं** करणीयम्।

(ख) धनम् = विद्याधनं प्रधानं **धनम्** अस्ति।

(ग) विद्यादानम् = सर्वेभ्यः श्रेयस्करं **विद्यादानम्** अस्ति।

(घ) सार्थकम् = अस्माकं जीवनं तदैव **सार्थकं** भविष्यति यदा वयं सार्थकानि कार्याणि करिष्यामः।

(ङ) विद्याध्ययनम् = छात्रजीवने **विद्याध्ययनम्** अति आवश्यकम्।

(च) नवधाभक्तिः = इमां **नवधाभक्तिः** कथ्यते।

(छ) शय्यात्यागम् = प्रातःकाले ब्रह्ममुहूर्ते **शय्यात्यागं** करणीयम्।

4. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) वयम् उद्योगं कुर्याम।

(ख) वयं सर्वेषाम् उपकारं कुर्याम।

(ग) विद्यादानं श्रेष्ठं दानं भवति।

(घ) परिश्रमं विना मानवशरीरं व्यर्थम् अस्ति।

(ङ) विद्यादानेन कदापि न क्षयते।

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए—

उत्तरम्–

नव	=	**पुरातन**	ज्ञानम्	=	**अज्ञानम्**
नित्यम्	=	**अनित्यम्**	प्रातः	=	**सायम्**

6. पाठ से जीवन के प्रथम उद्देश्य का हिन्दी में अनुवाद कीजिए–

उत्तरम्– **प्रथम उद्देश्य**—परिश्रम। परिश्रम के बिना मानव शरीर व्यर्थ प्रतीत होता है। जिस देश के लोग परिश्रम को श्रेष्ठ मानते हैं, वे सफलता प्राप्त करते हैं। बच्चों के ज्ञान के लिए एवं विकास के लिए परिश्रम करने की शिक्षा की बहुत ही ज्यादा आवश्यकता है अन्यथा हमारा देश विकास को प्राप्त नहीं होगा। लोग संसार की उन्नति के लिए परिश्रम करें। 'परिश्रमी सिंहपुरुष के पास ही लक्ष्मी होती है' इस सिद्धांत से हम उद्योग करें।

14 विद्यालयस्य वार्षिकोत्सवः

अभ्यासः

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए—

उत्तरम्– (क) विद्यालये वार्षिकोत्सवः भविष्यति।

(ख) विद्यालये विविधाः स्पर्धाः सांस्कृतिक कार्यक्रमशाश्च भविष्यन्ति।

(ग) सौरभः वार्षिकोत्सव-कार्यक्रमे एकस्याः प्रहेलिकायाः साभिनयं प्रस्तुतिं करिष्यति।

(घ) येन स्व कक्षायां सर्वाधिकाः अङ्काः प्राप्ताः, सः पुरस्कृतः भविष्यति।

(ङ) वार्षिकोत्सव-कार्यक्रमे मुख्यातिथिः शिक्षा सचिव महोदयः अस्ति।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं कृते **प्रतिभाप्रदर्शनाय** अवसरः अपि भविष्यति।

(ख) अहं **स्पर्धायां** भागं न गृहीष्यामि।

(ग) सः गतकक्षायां **सर्वाधिकान् अङ्कान्** प्राप्तवान्।

(घ) वयं सर्वे **आनन्दस्य** अनुभवं करिष्यामः।

3. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए—

उत्तरम्– (क) अस्माकं विद्यालये श्वः वार्षिकोत्सवः अस्ति।

(ख) अस्मिन् कार्यक्रमे सर्वेषाम् उपस्थितिः अनिवार्या अस्ति।

(ग) अस्य कार्यक्रमस्य मुख्यः अतिथिः शिक्षासचिव महोदयः अस्ति।

(घ) कार्यक्रमे स्वागतं भाषणं विद्यालयस्य प्राचार्यमहोदयः करिष्यति।

(ङ) कार्यक्रमस्य अन्ते सर्वेभ्यः मिष्टान्नस्य वितरणं भविष्यति।

4. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तरम्– (क) कदा = त्वं विद्यालयं **कदा** गमिष्यसि?

(ख) कार्यक्रमः = अद्य अस्माकं विद्यालये भाषणप्रतियोगितायाः **कार्यक्रमः** भविष्यति।

(ग) प्रहेलिका = इयं **प्रहेलिका** तु नाति कठिना।

(घ) स्पर्धा = वार्षिकोत्सवे सङ्गीत**स्पर्धा** अपि भविष्यति।

(ङ) पुरस्कारः = यः मधुरं प्रियं च गीतं गास्यति तस्मै एव **पुरस्कार**ः लप्स्यते।

(च) प्रतीक्षा = शीघ्रम् आगच्छ; अहं तव **प्रतीक्षा** करोमि।

5. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए—

उत्तरम्– (क) इत्यपि = **इति + अपि**

(ख) साभिनयम् = **स + अभिनयम्**

(ग) सर्वाधिकान् = **सर्व + अधिकान्**

(घ) सोऽपि = **सः + अपि**

(ङ) कार्यक्रमाश्च = **कार्यक्रमाः + च**

15 अव्ययानि

अभ्यासः

उत्तरम्– विद्यार्थी स्वयं करें।